मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | भोपाल, गुरुवार 15 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-330, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

लाड़ली बहना योजना की 41वीं किश्त 1 करोड़ 25 लाख बहनों के खातों में 1834 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

राज्य सरकार सच्चा वादा-पक्का काम के भाव से जनकल्याण के सभी वादे कर रही पूरे

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नवरात्रि के पावन पर्व पर बुधवार को प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख लाड़ली बहनों को लाड़ली बहना योजना की 41वीं किश्त की सौगात मिली है। राज्य सरकार बहनों के बैंक खातों में हर माह 1500 रुपए की राशि ट्रांसफर कर रही है। योजना की शुरूआत से लेकर अब तक 65 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। हमारी सरकार सच्चा वादा-पक्का काम के भाव से प्रदेश की जनता से किए गए जनकल्याण के सभी वादे पूरा करते हुए आगे बढ़ रही है। प्रदेश की आधी आबादी के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के एक चौथाई जिलों में हमारी बहनें कलेक्टर की जिम्मेदारी निभा रही हैं। उमरिया जिले के बांधवगढ़ को प्रभु श्रीराम, माता सीता और भगवान श्रीकृष्ण का विशेष आशीर्वाद मिला है। उमरिया में विरासनी देवी का आशीर्वाद मिला है। उमरिया में



विरासनी देवी का आशीर्वाद लेना सौभाग्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उमरिया जिले के मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत गुरुवाही ग्राम में आयोजित लाड़ली बहना योजना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 41वीं किश्त की राशि बहनों के बैंक खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को 1834 करोड़ रुपये से अधिक राशि अंतरित की। उन्होंने इसके साथ प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना और लाड़ली बहनों को गैस सिलेंडर रीफिल के लिए 115 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली बहना सम्मेलन में 144 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अन्य दलों की सरकारों के दौर में प्रदेश के महिला बाल विकास विभाग का बजट केवल 350 करोड़ रुपए हुआ करता था, लेकिन अब राज्य सरकार ने 47 हजार करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान महिला कल्याण के लिए किया है। आज बहनों को लाड़ली बहना योजना के 1500 रुपए प्रतिमाह मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना के एलपीजी उपभोक्ताओं को गैस रिफिलिंग अनुदान राशि दी गई है। इसके लिए प्रदेश की 23 लाख से अधिक बहनों को 115 करोड़ रुपए से अधिक राशि अंतरित की गई है। राज्य सरकार गैस रिफिल अनुदान के 3 साल में 1600 करोड़ की सहायता बहनों को दे चुकी है।

सरकार गरीबों के जीवन में खुशियां लाने के लिए कर रही है काम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने माताओं-बहनों की सुविधा के लिए पक्के मकान और शौचालय बनवाएं। राज्य सरकार ने स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित 50 लाख से अधिक संपत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने का संकल्प लिया है। पटवारियों को जो भ्रांतियां थी, वह दूर कर दी गई हैं। राज्य सरकार गरीबों के जीवन में खुशियां लाने के लिए काम कर रही है। प्रदेश में 21 वर्ष बाद फिर से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की बस चलने लगी हैं। बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए सांदीपनि विद्यालय की सौगात मिल रही है, जहां उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और स्कूटी देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। बच्चों को स्कूल आने-जाने के लिए बस सुविधा, साइकिलें और निःशुल्क किताबें व गणवेश दी जा रही है।

फडणवीस सरकार ने किया बड़ा ऐलान

दिवाली से पहले हर किसान को मिलेंगे 5000 रुपए

एजेन्सी, **मुंबई**

महाराष्ट्र के किसानों के लिए फडणवीस सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के किसानों को 5000 रुपए की अंतरिम मदद देने का फैसला लिया है।



किसानों को इसका भुगतान दिवाली से पहले किया जाएगा। सरकार ने ये फैसला राज्य को सूखाग्रस्त घोषित होने के बाद लिया है। बता दें कि राज्य सरकार ने सूबे में गंभीर सूखे की स्थिति को देखते हुए कुल 34 जिलों के अंतर्गत आने वाले 305 तालुकों में सूखा घोषित किया है। यह राज्य का लगभग 75% हिस्सा है।

सरकार ने सूखे की स्थिति को देखते हुए किसानों को फसल कर्ज वसूली पर रोक, बिजली बिलों में छूट, पानी की व्यवस्था और आर्थिक सहायता जैसी कई राहतें दी हैं। इसी बीच सरकार ने अब दिवाली से पहले किसानों को 5000 रुपए की आर्थिक सहायता देने का ऐलान कर बड़ी राहत दी है।

प्रेमी साहिल को भी फांसी

पति को मारकर नीले-ड्रम में भरने वाली मुस्कान को सजा-ए-मौत

एजेन्सी, **नई दिल्ली**

मेरठ में प्रेमी के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या करने वाली मुस्कान को फांसी की सजा सुनाई गई। उसके प्रेमी साहिल को भी कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई। सजा सुनाते हुए जज ने कहा अधर्म के काम पर सजा देना धर्म होता है। मुस्कान-साहिल आप दोनों ने ही सौरभ की नृशंस हत्या की है। इसलिए माफी स्वीकार नहीं होगी। सजा सुनाने से पहले जेल में बंद मुस्कान और साहिल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जोड़ा गया। मुस्कान रस्तोगी और साहिल फूट-फूटकर रोने लगे। जज ने मुस्कान से पूछा- तुम अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या में दोषी हो, क्या सजा चाहती हो? उसने जवाब दिया- मेरी बच्चियों का



ख्याल रखा जाए। फिर वह खामोश हो गई। इसके बाद साहिल से यही सवाल पूछा गया, तो वह चुप रहा। सजा के ऐलान के बाद सौरभ की मां रो पड़ीं। कहा- शांति से न्याय मिल गया। सौरभ राजपूत की हत्या 3 मार्च, 2025 को हुई थी। मुस्कान और साहिल ने सबूत मिटाने के लिए सौरभ के शव को 5 टुकड़ों में काटकर नीले ड्रम में भर दिया था। इसके बाद उस पर सीमेंट का घोल डाल दिया था।

कौन हैं फांसी की सजा देने वाले जज

मुस्कान-साहिल को फांसी की सजा सुनाने वाले मेरठ के जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार मिश्रा-क्रम का जन्म 2 जुलाई 1971 को मऊ में हुआ था। उन्होंने बीए, एलएलबी और एलएलएम की पढ़ाई की है। इसके बाद 31 मई, 2003 को न्यायिक सेवा में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के रूप में करियर शुरू किया। करीब 23 साल के न्यायिक अनुभव के दौरान गाजीपुर, अलीगढ़, गोरखपुर, कानपुर और मिजार्पुर समेत कई जिलों में तैनात रहे। नवंबर, 2024 में मिजार्पुर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश बने। 21 मई, 2026 से मेरठ में तैनात हैं।

सौरव दास और आशुतोष रांका को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेन्सी, **नई दिल्ली**

कॉकरोच जनता पार्टी के सौरव दास और आशुतोष रांका को जंतर-मंतर में कथित तौर पर जबरन घुसने और बार-बार कानून तोड़ने के आरोप में पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐसी आशंका थी कि अगर उन्हें जमानत पर रिहा किया गया, तो वे फिर से कानून तोड़ेंगे और दूसरों को भी कानून तोड़ने के लिए उकसाएंगे। मंगलवार सुबह सौरव दास, आशुतोष रंका और अजिंक्य शिंदे पार्टी के 11 अन्य सदस्यों के साथ एक निजी परिसर से होते हुए जंतर-मंतर पहुंचे थे। वहां तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। वहां पर सीजेपी के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर



पुलिस को अपना काम करने से रोका।

उन्होंने कहा कि सभी 14 लोगों को हिरासत में लिया गया और उनके खिलाफ कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गयी। इसके बाद उनके खिलाफ कानून के अनुसार संबंधित मामले में कार्रवाई की गयी। सार्वजनिक स्थल पर शांति भंग करने और कानून तोड़ने की उनकी बार-बार की कोशिशों को देखते हुए, आशुतोष रांका, सौरव दास और अजिंक्य शिंदे को कानून के संबंधित निवारक प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया।

यूपी पंचायत चुनाव

हाईकोर्ट का आदेश- तीन महीने में कराएं मतदान, निवर्तमान ग्राम प्रधान बने रहेंगे

एजेन्सी, **प्रयागराज**

इलाहाबाद हाईकोर्ट में बुधवार को ग्राम पंचायत चुनाव मामले की सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने मामले में आदेश दिया है कि तीन महीने में चुनाव कराना होगा। तब तक निवर्तमान ग्राम प्रधान प्रशासक बने रहेंगे।

प्रयागराज के इम्तियाज हुसैन और अन्य ने समय पर चुनाव कराने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति जस्टिस अजीत कुमार और जस्टिस गरिमा प्रसाद की डिवीजन बेंच ने सभी दलीलें सुनीं। कोर्ट ने शाम 4:00 बजे फैसला सुनाया। आदेश के अनुसार, तीन माह के भीतर पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। निवर्तमान ग्राम प्रधान प्रशासक के रूप में कार्य करते रहेंगे।



फैसला खुली कोर्ट में सुनाया गया, हालांकि अभी आदेश अपलोड नहीं हुआ है।

तीन महीने के भीतर चुनाव कराना निर्वाचन आयोग के लिए चुनौती

पंचायत चुनाव में देरी और निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए रखने का मामला अदालत में विचाराधीन था। अब तीन महीने के भीतर चुनाव कराने के निर्देश के बाद राज्य सरकार और निर्वाचन आयोग के सामने चुनाव प्रक्रिया समयसीमा में पूरी करने की चुनौती होगी। विस्तृत आदेश अपलोड होने के बाद फैसले की अन्य शर्तें और निर्देश स्पष्ट हो सकेंगे।

हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा सकती है सरकार

प्रदेश में तीन माह में पंचायत चुनाव करा पाना आसान नहीं है। जातीय जनगणना, परीक्षाएं और विधानसभा चुनाव इन्हीं 3-4 महीनों में होने हैं। उच्चपदस्थ सूत्रों की मानें तो इन परिस्थितियों में हाईकोर्ट के तीन माह में पंचायत चुनाव कराने के आदेश के खिलाफ प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। हालांकि, पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर का कहना है कि हाईकोर्ट के आदेश के अध्ययन के बाद अगले कदम के बारे में निर्णय लेंगे।

3 पेंशन योजनाओं से इंदिरा गांधी नाम हटा

11.40 लाख रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन का दिवाली बोनस



एजेन्सी, **नई दिल्ली**

केंद्र सरकार ने दिवाली से पहले रेलवे के करीब 11.40 लाख कर्मचारियों को 78 दिन का बोनस देने की मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, इस पर करीब 2,009 करोड़ खर्च होंगे। बुधवार को कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया। इसके अलावा, सरकार ने तीन पेंशन योजनाओं से इंदिरा गांधी का नाम हटाकर उनमें प्रधानमंत्री शब्द जोड़ने का फैसला किया है।

दिव्यांगों की पेंशन नियमों में भी बदलाव को मंजूरी दी गई है। इसके तहत अब दिव्यांगों को 18 साल की बजाय जन्म से पेंशन मिलेगी। कैबिनेट ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम को अगले पांच साल तक जारी रखने का फैसला भी लिया है। रेलवे कर्मचारियों को मिलने वाले प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस की गणना के लिए अधिकतम मासिक वेतन सीमा 7,000 तय की गई है। इस आधार पर 78 दिन के बोनस की अधिकतम रकम 17,951 बनती है।

हॉलीवुड सिंगर बोलीं- सीजेपी को अमेरिका से मिल रही फंडिंग: भारत में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे, मोदी समर्थकों से एकजुट होने की अपील

एजेन्सी, **वॉशिंगटन डीसी**

हॉलीवुड सिंगर मैरी मिलबेन ने कॉकरोच जनता पार्टी पर अमेरिका से फंडिंग मिलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के विरोधी अमेरिकी डोनर्स अभिजीत दीपके को पैसा भेज रहे हैं। उनके मुताबिक इस पैसे का इस्तेमाल भारत में अशांति फैलाने और सरकार के काम में रुकावट डालने के लिए किया जा रहा है। मिलबेन ने X पर पोस्ट कर भारत के युवाओं से आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने लिखा, यह चुप रहने का समय नहीं है।

मिलबेन ने दावा किया कि फंडिंग करने वाले कुछ अमेरिकी दुनियाभर के दक्षिणपंथी नेताओं को निशाना बनाने का एक तय तरीका अपनाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ऐसे लोग किसी देश में अमेरिका से पढ़े व्यक्ति को ढूंढते हैं, उसे कट्टर बनाते हैं, वापस उसके देश भेजते हैं और



अराजकता व तबाही फैलाने के लिए फंड करते हैं। मिलबेन ने प्रधानमंत्री मोदी के राजनीतिक सफर का बचाव करते हुए कहा कि वह 25 साल से सरकार में रहकर लोगों की सेवा कर रहे हैं और 12 साल से प्रधानमंत्री हैं। वह अमेरिका से आने वाली ऐसी ताकतों के आगे नहीं झुकेंगे।

भारत में भी फंडिंग पर उठे थे सवाल

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने दीपके की अमेरिका में पढ़ाई के खर्च पर सवाल उठाते हुए पूछा था कि क्या इसके पीछे अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से जुड़ा कोई फाउंडेशन था। वहीं, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी विपक्ष और उखढ पर विदेशी मदद से देश में अस्थिरता फैलाने की कोशिश का आरोप लगाया था। इसके अलावा, अगस्त 2026 में RTI कार्यकर्ता अमित तिवारी ने दीपके की पढ़ाई के खर्च और CJP के कानूनी सहायता फंड की जांच की मांग की थी।

दीपके ने कहा था- खर्च दोस्त उठाते हैं

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके विदेशी फंडिंग के आरोपों को खारिज कर चुके हैं। CJP के आंदोलनों के खर्च पर दीपके ने कहा था कि वह और उनके दोस्त मिलकर पैसा जुटाते हैं। उनके मुताबिक, संगठन को किसी बाहरी डोनर या बड़े उद्योगपति से आर्थिक मदद नहीं मिली है। आगे उन्होंने क्राउडफंडिंग से पैसा जुटाने की योजना भी बताई थी। विदेशी फंडिंग के आरोपों पर दीपके ने गृह मंत्री अमित शाह से भी सवाल किया था। उनका कहना था कि अगर आंदोलन में विदेशी पैसा आया है, तो इसकी जांच और रोकथाम की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय की है।

मिलबेन ने मोदी को सपोर्ट किया

1. **किसान आंदोलन पर:** मिलबेन ने फरवरी 2021 में किसान आंदोलन के दौरान मोदी सरकार के कृषि कानूनों का समर्थन करते हुए कहा था कि उन्हें किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के मोदी के विजन पर भरोसा है।
2. **मणिपुर हिंसा पर:** अगस्त 2023 में मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर भी उन्होंने मोदी का समर्थन किया था। उन्होंने उस समय कहा था कि भारत को अपने नेता पर भरोसा है और मोदी मणिपुर के लोगों की आजादी के लिए लड़ेंगे।
3. **BBC की गुजरात दंगों पर बनी डॉक्यूमेंट्री पर:** मिलबेन ने BBC की डॉक्यूमेंट्री 'India: The Modi Question' की आलोचना करते हुए मोदी सरकार का समर्थन किया था। 2023 में आई इस डॉक्यूमेंट्री में 2002 के गुजरात दंगों के दौरान नरेंद्र मोदी की भूमिका पर सवाल उठाए गए थे।
4. **CAA कानून पर:** मार्च 2024 में नागरिकता संशोधन कानून लागू होने पर भी मिलबेन ने मोदी सरकार के फैसले की तारीफ की थी। लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने भारतीय मतदाताओं से मोदी को वोट देने की अपील भी की थी।

3 दिन MP के 20 जिलों में आंधी-बारिश के आसार

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और चक्रवाती सिस्टम से बदलेगा मौसम, भोपाल-इंदौर में असर नहीं

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई के बाद एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने जा रहा है। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, उत्तरी हिस्से में एक्टिव हुए पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) और नए चक्रवाती तंत्र के असर से 15 से 17 अक्टूबर तक 20 जिलों में मौसम बदलेगा। मध्य प्रदेश में मानसून की विदा के बावजूद मौसम का मिजाज एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, उत्तर भारत में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) और एक नए चक्रवाती तंत्र के प्रभाव के चलते प्रदेश के कई जिलों में मौसम का रुख बदलने की पूरी संभावना है। आगामी पंद्रह से सत्रह अक्टूबर के दौरान राज्य के लगभग बीस जिलों में तेज आंधी, गरज-चमक के साथ बारिश होने के आसार जताए गए हैं। मुख्य संभागों और जिलों पर असर इस नए मौसमी तंत्र का मुख्य प्रभाव ग्वालियर-चंबल, सागर, रीवा, शहडोल और जबलपुर संभाग के जिलों में देखने को मिलेगा। विशेष रूप से ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, मैहर, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट जैसे जिलों में 15 से 17 अक्टूबर के दौरान झमाझम बारिश या बौछारें पड़ने की संभावना है। इन बड़े शहरों में नहीं रहेगा असर मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक इस बार इस मौसमी बदलाव से भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग के अधिकांश हिस्से अछूते रहेंगे। इन प्रमुख शहरों में बारिश की संभावना नहीं है, हालांकि आंशिक बादलों की आवाजाही के साथ दिन में हल्की गर्मी और रात के समय हल्की ठंडक का अह?? बना रहेगा। जानकारों का कहना है कि अक्टूबर के महीने में इस तरह के सिस्टम का सक्रिय होना सामान्य है, जिससे तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहता है।

साइबर ठगी और धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बीच जबलपुर में दो अलग-अलग घटनाएं

क्रेडिट स्कोर जानने के नाम पर 90 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



साइबर ठगी और धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बीच जबलपुर में दो अलग-अलग गंभीर घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें शहर के नागरिकों को लाखों रुपये का चूना लगाया गया है। पहली घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है, जहां क्रेडिट स्कोर जानने के नाम पर एक युवक के बैंक खाते से नब्बे हजार रुपये पार कर दिए गए, वहीं दूसरी घटना लार्डगंज थाना क्षेत्र की है, जहां गिरवी रखे सोने की सस्ती नीलामी का झांसा देकर इकतीस लाख रुपये से अधिक की ठगी को अंजाम दिया गया है। क्रेडिट स्कोर जानने के नाम पर साइबर ठगी कोतवाली थाना अंतर्गत उपरैनगंज, दीक्षितपुरा निवासी बत्तीस वर्षीय आशीष विश्वकर्मा बैग बनाने और बेचने का कार्य करते हैं। पैंतीस वर्षीय आशीष के अनुसार, छब्बीस सितंबर की शाम उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया था। फोन करने वाले ने क्रेडिट स्कोर चेक करने के लिए मोबाइल के कीपैड पर नंबर एक दबाने के लिए कहा। जैसे ही उन्होंने ऐसा किया, उनका मोबाइल अचानक बंद हो गया। कुछ देर बाद जब मोबाइल दोबारा चालू हुआ, तो वह अपने आप अपडेट होने लगा। इसी तकनीकी अंतराल के दौरान उनके पंजाब नेशनल बैंक खाते से गूगल पे और फोन पे के माध्यम से पांच अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए कुल नब्बे हजार रुपये निकल गए। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरी घटना लार्डगंज थाना क्षेत्र की है, जहां फेडरल बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के नाम पर गिरवी रखे गए सोने को बाजार मूल्य से बेहद कम कीमत पर दिलाने का झांसा देकर तीस लाख पंचांग्वे हजार रुपये ठग लिए गए। हाउसिंग कॉलोनी, स्टेशन रोड कांचघर निवासी पैंतीस वर्षीय सुनील गुप्ता रेलवे में ठेकेदारी करते हैं। उन्होंने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि पच्चीस सितंबर को श्याम गुप्ता और निखिल विश्वकर्मा उन्हें तथा उनके साथी आदित्य देशमुख को लेबर चौक, यादव कॉलोनी स्थित संबंधित वित्तीय संस्थान ले गए थे। वहां मौजूद मैनेजर सुरेंद्र सिंह पटेल और कैशियर दिव्या चौरसिया सहित अन्य लोगों ने उन्हें यह लालच दिया कि बैंक के पास ग्राहकों द्वारा गिरवी रखा हुआ सोना नीलामी में बहुत कम कीमत पर मिल जाएगा। इस झांसे में आकर सुनील गुप्ता से ऑनलाइन दस लाख चालीस हजार रुपये और नकद बारह लाख पांच हजार रुपये यानी कुल बाईस लाख पैंतालीस हजार रुपये ले लिए गए।

चेक बाउंस के मामले में महिला को 6 माह का कारावास

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

जबलपुर जिला न्यायालय की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी वंदना सिंह की अदालत ने ढाई लाख रुपये के चेक बाउंस से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने बालाघाट निवासी आरोपी भगवती मानघाटे को दोषी करार देते हुए छह महीने के कारावास की सजा से दंडित किया है। इसके साथ ही न्यायालय ने आरोपी पर कुल चार लाख बाईस हजार पाँच सौ रुपये का जुर्माना अदा करने का आदेश भी पारित किया है। इस मामले में परिवादी जे.सी. चोपड़ा की ओर से पैरवी अधिवक्ता सतपाल जायसवाल, मौसम पासी, सम्राट हलदार और रोहित सिंह ने की प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरा प्रकरण वाहन फाइनेंस की बकाया किस्तों के भुगतान से संबंधित था। आरोपी भगवती मानघाटे ने आपसी समझौते के तहत आठ फरवरी दो हजार उन्नीस को ढाई लाख रुपये का चेक परिवादी को दिया था। जब परिवादी ने इस चेक को अपने बैंक में भुगतान के लिए प्रस्तुत किया, तो खाते में अपर्याप्त राशि होने के कारण तेरह फरवरी दो हजार उन्नीस को यह चेक अनादरित (बाउंस) हो गया। चेक बाउंस होने के बाद परिवादी द्वारा नियमानुसार विधिक नोटिस भेजा गया, लेकिन इसके बावजूद जब कोई भुगतान नहीं किया गया, तो न्यायालय में परिवाद दायर किया गया। विचारण के दौरान अदालत ने पाया कि चेक के अनादरित होने की बात बैंक के ज्ञापन से पूरी तरह प्रमाणित होती है। इसके अलावा, आरोपी का यह दावा भी साक्ष्यों के अभाव में साबित नहीं हो सका कि यह राशि दीपक दुबे के माध्यम से चुकाई जा चुकी है। अदालत ने परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत अनावेदिका को दोषी पाते हुए चेक की मूल राशि पर नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित प्रतिकर (मुआवजा) देने का आदेश दिया है।

अवैध खनन किए जाने के मामले में राज्य शासन से जवाब- तलब

पन्ना निवासी याचिकाकर्ता अल्पेश का आरोप, शिकायत करने पर फर्जी केस में फंसाया जा रहा

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अल्पेश यशवंत कोगजे और न्यायाधीश विवेक जैन की संयुक्त पीठ ने पन्ना जिले के अमानगंज में जेके सीमेंट फैक्ट्री के खिलाफ कथित अवैध खनन की शिकायतों पर कार्रवाई करने की बजाय फर्जी मामलों में फंसाए जाने के आरोपों से जुड़े एक मामले की सुनवाई की है। इस महत्वपूर्ण मामले में न्यायालय ने राज्य शासन को नोटिस जारी करते हुए दो सप्ताह के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करने के कड़े निर्देश दिए हैं। शासन से मांगा गया अब तक की गई कार्रवाई का जवाब अदालत ने राज्य शासन से यह स्पष्ट रूप से पूछा है कि याचिकाकर्ता अंकित पाठक की ओर से जेके सीमेंट के खिलाफ जो शिकायतें दर्ज कराई गई थीं, उन पर संबंधित प्रशासन और अधिकारियों द्वारा अब तक क्या वैधानिक कार्रवाई की गई है। दायर की गई याचिका में यह मुख्य रूप से आरोप लगाया गया है कि पन्ना जिले के अमानगंज स्थित उक्त सीमेंट फैक्ट्री द्वारा किए जा रहे कथित अवैध खनन के मामलों की जब शिकायतें की गई, तो उन पर उचित एक्शन लेने के विपरीत याचिकाकर्ता को ही कथित रूप से झूठे और मनगढ़ंत मामलों में उलझाने का कुचक्र रचा गया। याचिकाकर्ता की ओर से संयुक्त पीठ के समक्ष यह गंभीर सवाल उठाया गया है कि आखिर प्रभावशाली औद्योगिक इकाइयों के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों पर स्थानीय प्रशासन क्यों लीपापोती कर रहा है। न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद संबंधित अनावेदकों से जवाब तलब कर लिया है, जिससे अब इस पूरे मामले में आगे की कानूनी कार्यवाही और तेज होने की पूरी संभावना है।

चाकू से जानलेवा हमले के आरोपित को दस साल के कारावास की सजा

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जबलपुर जिला न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश अजय रामावत की अदालत ने पुरानी रंजिश के चलते एक युवक के गले पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी राहुल राजपूत को दोषी करार देते हुए दस साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही न्यायालय ने आरोपी पर दो हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन पक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना चौबीस मार्च दो हजार चौबीस की है। जबलपुर के रांझी थानांतर्गत आने वाले शांति नगर क्षेत्र में मस्ताना चौक निवासी राहुल राजपूत ने पुरानी रंजिश के कारण रितेश यादव को रास्ते में रोक लिया। इसके बाद आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और इसी दौरान चाकू जैसे धारदार हथियार से रितेश के गले पर घातक वार कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। घटना के बाद रांझी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया था। मामले की विचारण के दौरान अदालत में प्रस्तुत किए गए गवाहों के बयानों और पुख्ता साक्ष्यों के आधार पर यह जुर्म साबित हुआ। न्यायालय ने आरोपी राहुल राजपूत को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। इस मामले में शासन की ओर से पैरवी एडीजीपी जीत सिंह पटेल द्वारा की गई थी।

हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार चुनाव : अध्यक्ष पद पर शशांक शेखर और विजय पांडे के बीच मुकाबला

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए गुरुवार, पंद्रह अक्टूबर को मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी। इस चुनाव में कुल पाँच सौ पाँच अधिवक्ता अपने मताधिकार का उपयोग कर विभिन्न पदों के लिए प्रत्याशियों का चयन करेंगे। इस बार चुनाव में मुख्य मुकाबला अध्यक्ष पद के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता शशांक शेखर और अधिवक्ता विजय पांडे के बीच तय माना जा रहा है, जिससे वकीलों के बीच सरगर्मी काफी बढ़ गई है। मुख्य चुनाव अधिकारी राकेश पांडे से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस चुनाव में विभिन्न पदों के लिए कुल इक्कीस नामांकन दाखिल किए गए थे। अध्यक्ष पद के लिए दो, जबकि उपाध्यक्ष पद के लिए नवीन दुबे, विक्रम सिंह और मोहन सोंसरकर मैदान में हैं। वहीं, सचिव पद के लिए राजमणि मिश्रा, विकल्प सोनी और सौरभ सुंदर अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इसके अलावा, सह-सचिव, कोषाध्यक्ष, पुस्तकालय सचिव और कार्यकारिणी सदस्य के पदों के लिए भी कई दिग्गज उम्मीदवार आमने-सामने हैं। सहायक चुनाव अधिकारी रियाज मोहम्मद और राजेंद्र जायसवाल ने बताया कि मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद मतगणना शुरू होगी, जिसके परिणामों पर पूरे न्यायिक जगत की निगाहें टिकी रहेंगी।

हाईकोर्ट ने दिया बंदियों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था का सुझाव

जेलों में हर 2 से 4 माह में लगाए जाएं कानूनी सहायता शिविर

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जबलपुर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आनंद पाठक और न्यायाधीश रामकुमार चौबे की संयुक्तपीठ ने जेलों में बंद आरोपितों को गुमराह कर वकालतनामा हासिल करने की कथित गड़बड़ियों के मामले में गंभीर रुख अपनाते हुए सुझाव दिया है कि प्रदेश की सभी जेलों में हर दो से चार महीने के अंतराल पर नियमित कानूनी सहायता शिविर लगाए जाएं। इससे ऐसे बंदियों को विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी, जो वकील नियुक्त करने में असमर्थ हैं या उसका खर्च नहीं उठा सकते। साथ ही, इससे तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत कर अथवा छलपूर्वक वकालतनामा हासिल करने की आशंका पर भी अंकुश लगाया जा सकेगा।

उक्त मामला आपराधिक अपील अरविंद कुमार एवं अन्य विरुद्ध मध्य प्रदेश शासन व अन्य से संबंधित है। सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से उपस्थित शासकीय अधिवक्ता अजय कुमार शुक्ला ने न्यायालय को अवगत कराया कि पूर्व निर्देशों के पालन में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है और उसमें कुछ उपाय सुझाए गए हैं। वहीं, राज्य अधिवक्ता परिषद की ओर से उपस्थित अधिवक्ता रमाकांत अवस्थी ने बताया कि परिषद के नए निकाय के गठन की अधिसूचना प्रकाशित हो चुकी है और निकाय शीघ्र काम शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व निर्देशों के अनुरूप दोषी सदस्यों के विरुद्ध उचित कदम उठाए जाएंगे। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता राम प्रकाश यादव ने अपना वकील बदलने संबंधी आवेदन वापस लेने की इच्छा जताई। हालांकि, पूर्व में इस मांग को खारिज किए जाने का हवाला देते हुए पक्षकारों के अधिवक्ताओं ने आपत्ति की। इस पर संयुक्तपीठ ने फिलहाल वकील बदलने की मांग अस्वीकार कर दी। इसके बाद अपीलकर्ताओं की ओर से सजा निलंबित करने के मुद्दे पर बहस के लिए एक सप्ताह का समय मांगा गया, जिसे स्वीकार करते हुए मामले को अगले सप्ताह सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया।

युवक की मौत के बाद सील किया अस्पताल

जबलपुर में बिना रजिस्ट्रेशन चल रहा था अस्पताल, 23 तरह की एक्सपायरी दवाएं मिली

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जबलपुर में बेलखाडू के पास स्थित अश्वनी अस्पताल में जांच के दौरान बड़ी मात्रा में एक्सपायरी दवाएं मिली हैं। मंगलवार शाम ड्रग इंस्पेक्टर ने पुलिस और ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) की मौजूदगी में सील अस्पताल खुलवाकर जांच की। करीब एक घंटे चली जांच में 23 प्रकार की एलोपैथिक दवाएं मिलीं, जिनमें एक्सपायरी दवाएं भी शामिल थीं। टीम ने करीब 12 हजार रुपए की दवाएं जब्त की हैं। प्रारंभिक जांच में अस्पताल का रजिस्ट्रेशन नहीं मिला। अधिकारियों के मुताबिक, अस्पताल संचालिका सरिता साहू के पास एलोपैथिक चिकित्सा की मान्य डिग्री भी नहीं थी। आरोप है कि वह बंगाल से प्राप्त डिप्लोमा के आधार पर लंबे समय से अस्पताल चला रही थीं और मरीजों का एलोपैथिक दवाओं से इलाज कर रही थीं। टीम को सील अस्पताल से 23 प्रकार की दवाएं मिलीं, ज्यादातर एक्सपायरी थीं। युवक की मौत के बाद अस्पताल किया था सील तीन दिन पहले 19 वर्षीय शेखर चौधरी की मौत के बाद जिला प्रशासन ने अस्पताल सील कर दिया था। मंगलवार को जांच के दौरान यहां बच्चों और गर्भवती महिलाओं के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं भी मिलीं। पुलिस युवक की मौत के मामले की जांच पहले से कर रही है। पेट दर्द के इलाज के बाद बिगड़ी तबीयत, फिर मौत बेलखाडू के भट्ठा मोहल्ला निवासी शेखर चौधरी को 2 अक्टूबर को अचानक तेज पेट दर्द हुआ था। परिजन उसे खैरी गांव स्थित अश्वनी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां सुबह तक इलाज के बाद वे उसे घर ले आए। कुछ देर बाद शेखर के हाथ-पैरों में तेज जलन होने लगी। परिजन उसे दोबारा अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। समीर चौधरी की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि अस्पताल संचालिका सरिता साहू के कहने पर उनके मददगार सतीश साहू ने शेखर के हाथ और कमर में इंजेक्शन लगाए थे। अगले दिन उसे फिर इंजेक्शन दिया गया और ग्लूकोज की ड्रिप चढ़ाई गई। परिजनों के मुताबिक, ड्रिप चढ़ने के करीब आधे घंटे बाद शेखर की मौत हो गई। घटनास्थल से मिली ग्लूकोज की बोतल पर नवंबर 2025 की एक्सपायरी डेट दर्ज थी। पुलिस ने आधी भरी बोतल, ड्रिप, निडिल, इंजेक्शन की खाली शीशी और दवाइयों के रैपर जब्त किए थे। जांच में पता चला कि फर्जी डिग्री से चल रहा था अस्पताल,रजिस्ट्रेशन भी नहीं था। ड्रग इंस्पेक्टर प्रवीण पटेल, बीएमओ डॉ. श्रीपति मिश्रा और बेलखाडू चौकी प्रभारी अमित मिश्रा की टीम ने अस्पताल में दवाओं की जांच की। ड्रग इंस्पेक्टर के मुताबिक, यहां 23 प्रकार की एलोपैथिक दवाएं मिलीं। इनमें एक्सपायरी दवाओं के साथ ग्लूकोज की ड्रिप भी शामिल थी। जांच के दौरान यह आशंका भी सामने आई कि शेखर को चढ़ाई गई ड्रिप में मिलाया गया इंजेक्शन एक्सपायरी हो सकता है। हालांकि, युवक की मौत का वास्तविक कारण क्या था और उसमें दवाओं की कोई भूमिका थी या नहीं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। अधिकारियों के मुताबिक, अस्पताल के पास आवश्यक रजिस्ट्रेशन नहीं था और संचालिका के पास एलोपैथिक इलाज करने की मान्य डिग्री भी नहीं थी। इसके बावजूद यहां मरीजों का इलाज किए जाने की बात सामने आई है।

संस्कृत से ही समृद्ध होगी सनातन संस्कृति - उप मुख्यमंत्री

विन्ध्य ने संकटकाल में संस्कृत भाषा और विद्वानों का संरक्षण किया: उप मुख्यमंत्री

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने लक्ष्मणबाग परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बिछिया नदी पर पुल निर्माण का भूमिपूजन किया। इसकी लागत 21 करोड़ 98 लाख 87 हजार रुपए है। इसके साथ 1620 मीटर सड़क भी बनाई जा रही है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुल लक्ष्मणबाग की नदी के दोनों ओर की जमीनों को जोड़ने और रामानुज संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर को लक्ष्मणबाग से जोड़ेगा। वार्ड 45 के निवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग अब पूरी हो गई है। इस पुल के बन जाने से संस्कृत विश्वविद्यालय के विद्यार्थी लक्ष्मणबाग परिसर में पहुंचकर मंत्रोच्चार और गौ सेवा का अवसर पा सकेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत देवभाषा हमारी सनातन संस्कृति और संस्कारों का आधार है। संस्कृत का संरक्षण और विकास होगा तभी भारत 2047 तक विश्वगुरू बन सकेगा। वैदिक परंपरा में ज्ञान और भक्ति के स्रोत संस्कृत में ही रचे गए हैं। देश में जब विदेशी आक्रांताओं ने संस्कृत के विश्वविद्यालय और विद्यालयों को नष्ट करने का प्रयास किया। ऐसे संकटकाल में विन्ध्य की धरा ने संस्कृत भाषा और संस्कृत विद्वानों को संरक्षण दिया। संस्कृत के विकास के लिए इस परिसर में पाणिनि





संस्कृत विश्वविद्यालय का कैम्पस शुरू किया गया है। यहाँ पूर्व में संचालित संस्कृत विद्यालय को भी पुनः शुरू किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ माता और देवों के आशीर्वाद से यह परिसर संस्कृत और सनातन संस्कृति का केन्द्र बनेगा। गौ माता की सेवा के लिए लक्ष्मणबाग परिसर, बसामन मामा गौ अभ्यारण्य तथा हिनौती गौधाम में व्यवस्थाएं की जा रही हैं। गौमाता अगर कष्ट में रहीं तो मानव का जीवन भी सुखमय नहीं होगा। संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर निर्माण से लक्ष्मणबाग ट्रस्ट को 10 करोड़ रुपए मिले हैं। पुल के निर्माण के बाद इसे 11 करोड़ रुपए पुनः मिलेंगे। इससे यहाँ के मंदिरों और इससे जुड़ी संस्थाओं में व्यवस्थाएं बेहतर होंगी। समारोह में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से विन्ध्य क्षेत्र की संस्कृत भाषा के विकास की परंपरा पुनर्जीवित हो रही है। संस्कृत से ही सनातन संस्कृति की रक्षा होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास की राह में आगे बढ़ रहा है। कई देश विरोधी ताकतें इसमें बाधा डालने और सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही हैं। इनसे सभी को सावधान रहना है। समारोह में पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर शिवशंकर मिश्र ने कहा कि विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान हमारे प्राचीन ग्रंथों में है। इन ग्रंथों का अध्ययन करने के लिए संस्कृत भाषा का ज्ञान आवश्यक है। यह वैदिक चिंतन और ज्ञान का आधार है। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, रेडक्रास के चेयरमैन डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, पंडित बाला व्यंकटेश शास्त्री, एसडीएम हुजूर जितेन्द्र तिवारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि गण तथा आमजन उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वंदे मातरम् युवा शिविर के तीसरे दिन मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए गए

तीसरे दिन युवाओं को डिजिटल डिटॉक्स, नशामुक्ति, नेतृत्व और महिला सशक्तिकरण पर मिला मार्गदर्शन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल में मेरा युवा भारत, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वंदे मातरम् युवा शिविर 2026-27 के तीसरे दिन विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए गए। इनमें डिजिटल डिटॉक्स, नशामुक्ति, आध्यात्मिक जीवन, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने युवाओं से संवाद किया। शिविर में छह राज्यों से आए युवा प्रतिभागी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने अनुभव साझा कर रहे हैं। दिन के प्रथम सत्र में ब्रह्माकुमारी, भोपाल की आध्यात्मिक मार्गदर्शक एवं आयुर्वेद चिकित्सक बी.के. डॉ. देवयानी ने युवाओं को नशामुक्ति और डिजिटल डिटॉक्स के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने मोबाइल के बढ़ते उपयोग पर आत्ममंथन करने का आह्वान करते हुए पूछा कि मोबाइल युवाओं के नियंत्रण में है या युवा स्वयं मोबाइल के नियंत्रण में हैं।

उन्होंने मोबाइल नोटिफिकेशन सीमित करने, अनावश्यक डिजिटल सामग्री हटाने तथा एकाग्रता बढ़ाने वाली आदतें अपनाने की सलाह दी। इसके



बाद ब्रह्माकुमारी की आध्यात्मिक सेवाओं की समन्वयक बी.के. बहन हेमा ने आध्यात्मिकता और चेतना के विषय पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने व्यक्ति के सहज स्वरूप और बाहरी परिस्थितियों से निर्मित व्यक्तित्व के बीच अंतर समझाते हुए युवाओं को आत्मचिंतन, सकारात्मकता और आंतरिक परिवर्तन के लिए प्रेरित किया। द्वितीय सत्र में नेतृत्व क्षमता, संघर्षों से उबरने, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण पर परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें वनस्पति विज्ञान में हिंदी माध्यम से पीएचडी करने वाले प्रथम विद्वान एवं गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक डॉ. अनिल कुमार उपाध्याय, राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित आयकर अधिकारी श्री राहुल, अधिवक्ता एवं युवा प्रेरक सुश्री हर्षा हसवानी तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के सहायक निदेशक श्री नवीन कुमार ने युवाओं के साथ अपने अनुभव साझा किए। डॉ. अनिल कुमार उपाध्याय ने अपने जीवन के संघर्षों और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि असफलताएं सफलता की राह में महत्वपूर्ण सीख प्रदान करती हैं। उन्होंने दूसरों की सहायता करने की भावना को युवाओं की महत्वपूर्ण पहचान बताते हुए प्रतिभागियों को निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। आयकर अधिकारी श्री राहुल ने सामाजिक सेवा के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने युवाओं को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन बनाए रखने और समय का सदुपयोग करने का संदेश दिया। अधिवक्ता सुश्री हर्षा हसवानी ने महिला सशक्तिकरण और अधिकारों पर चर्चा करते हुए सावित्रीबाई फुले के शैक्षिक योगदान को याद किया। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा, समान अवसरों तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम से संबंधित अधिनियम की जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने युवाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। नवीन कुमार ने खेलों के माध्यम से लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, युवा विकास और नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करने पर अपने विचार साझा किए। शिविर में शामिल छह राज्यों के युवाओं ने अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं पर आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का परिचय दिया। हिमाचल प्रदेश के प्रतिभागियों ने पारंपरिक नाटी नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं उत्तर प्रदेश के युवाओं ने लोक नृत्यों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।

निगम ने विभिन्न क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण न्यू मार्केट से 02 ट्रक विभिन्न प्रकार का सामान तथा अन्य क्षेत्रों से ठेले जप्त किये

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



नगर निगम द्वारा शहर में अतिक्रमणों और अवैध निर्माणों के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त षिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत न्यू मार्केट क्षेत्र से विभिन्न प्रकार के अतिक्रमणों को हटाते हुए 02 ट्रक विभिन्न प्रकार का सामान भी जप्त किया इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से बनें चबूतरे, छप्पर, नाली के ऊपर अवैध रूप से रखी फर्षियां, आवागमन में बाधक चार पहिया वाहन, लोडिंग आटो, भवन निर्माण सामग्री, फुटपाथ पर लगी मीट, फल, सब्जी आदि की दुकानें व दुकानों के बाहर रखा सामान तथा बड़ी संख्या में ठेले, गुमठी, पान पार्लर, काउंटर, स्टूल, कुर्सी, टेबिल, बेंच आदि सहित विभिन्न प्रकार के अतिक्रमणों को हटाकर ठेले आदि जप्त किये। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देष पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने बुधवार को कोलार फाईन एवेन्यू फेस-2, गिरधर परिसर, प्रियंका नगर, मंदाकिनी चैराहे, बैरागढ़ चिचली, सौम्या चैराहा, बासंखेड़ी नारायण स्कूल, होषंगाबाद रोड समरधा, कटारा अटलांस, कटारा हिल्स, 12 नम्बर मल्टी, शैतान सिंह चैराहा, अवधपुरी रीगल टाउन, एम्स हास्पिटल गेट नं0-02, साकेत नगर, करोंद दषहरा मैदान, करोंद विष्वकर्मा नगर, पीपल चैराहा, करोंद चैराहा, नवीबाग, करोंद हाउसिंग बोर्ड कालोनी, करोंद मण्डी गेट, छोला रोड अग्रवाल धर्मषाला, जे.पी. नगर डी.आई.जी बंगला, फूटा मकबरा, फूटा मकबरा छोला से 01 दुकान के सामने बना चबूतरा, साकेत नगर में 01 मकान के सामने अवैध बना रूई, गद्दे वाले का टपरा, कोलार बैरागढ़ चिचली क्षेत्र में अवैध बना 01 छप्पर तोड़ा।

हिनोतिया महलपुर में 3 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का शुभारंभ

■ एक सत बुलेटिन, **रायसेन**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के रायसेन वृत्त अंतर्गत हिनोतिया महलपुर में एसएसटीडी योजना के तहत लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का शुभारंभ सांची विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री प्रभुराम चौधरी द्वारा किया गया। विद्युत उपकेंद्र में 5 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया गया है। उपकेंद्र से 11 केवी के तीन फीडरों के माध्यम से संबंधित ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की जाएगी। उपकेंद्र के प्रारंभ होने से क्षेत्र में लो-वोल्टेज एवं ओवरलोडिंग की समस्या में कमी आएगी तथा विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा। हिनोतिया महलपुर विद्युत उपकेंद्र से पठारी, हिनोतिया,



माहेश्वरी, अमखेड़ा, बाबई, महलपुर पाथा, भूलन, जलालपुर, इमलिया, बाबलिया, छोटा सिलारी, बैरखेड़ी एवं सिरसौदा सहित क्षेत्र के 15 गांवों के उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। नए उपकेंद्र से विद्युत भार का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज के साथ गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में रायसेन वृत्त के महाप्रबंधक श्री संजीव सिंह, उपमहाप्रबंधक श्री नीरज चौरसिया एवं श्री वैभव त्रिपाठी तथा प्रबंधक श्री गौरव अटूट, श्री संजय पटेल एवं श्री सर्वेंद्र चौधरी सहित विद्युत विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने कहा है कि कंपनी सभी श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र की विद्युत वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हिनोतिया महलपुर में विद्युत उपकेंद्र का शुभारंभ इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गरिमा वाईकर के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित

भोपाल। संभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा द्वारा बुधवार को सीहोर जिले के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान इछावर महिला एवं बाल विकास परियोजना में पदस्थ परियोजना अधिकारी सुश्री गरिमा वाईकर के विरुद्ध मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 16 के अंतर्गत अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। जारी सूचना पत्र के अनुसार, संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अवचार एवं कदाचरण से संबंधित अभिकथनों के आधार पर अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। इस संबंध में उन्हें अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है। 10 दिवस के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर यह माना जाएगा कि उन्हें अपने बचाव में कुछ नहीं कहना है।

शुभारंभ गरबा महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न, वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, सांसद आलोक शर्मा एवं महापौर मालती राय सहित रघुवंशी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आदर्श रघुवंशम सेवा समिति, भोपाल-मंडीदीप के वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति लालघाटी स्थित लैंडमार्क गार्डन में 12 एवं 13 अक्टूबर को रघुवंशी गरबा एवं आर्ट स्टूडियो की प्रस्तुति में शुभारंभ गरबा महोत्सव 2026 का आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की आयोजक श्रीमती पूनम राजू सिंह रघुवंशी, निवासी संजीव नगर, भोपाल एवं आर्ट स्टूडियो, हितेंद्र सर, लालघाटी, भोपाल रहा। महोत्सव में मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री श्री विश्वास सारंग, भोपाल के सांसद श्री आलोक शर्मा एवं भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका मिश्रा जी एवं सेलिब्रिटी श्रीमती रेनू यादव भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त रघुवंशी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री उमाशंकर जी तथा आदर्श रघुवंशम सेवा समिति, भोपाल-मंडीदीप के अध्यक्ष श्री संतोष



सिंह रघुवंशी सहित समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। आयोजक श्रीमती पूनम राजू सिंह रघुवंशी ने सभी गणमान्य अतिथियों एवं पदाधिकारियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। अतिथियों की उपस्थिति, मातृशक्ति की सक्रिय सहभागिता तथा समाजजनों के सहयोग से महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक एकता, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण एवं मातृ शक्तियों को सशक्त बनाने का एक सुंदर प्रयास भी हैं।

त्योहारों पर यात्रियों की सुविधा के लिए उधना-जयनगर अनारक्षित स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

भोपाल मंडल के संत हिरदाराम नगर एवं बीना स्टेशन पर होगा ठहराव

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या एवं अतिरिक्त यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए उधना-जयनगर के बीच विशेष दो जोड़ी अनारक्षित साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इन ट्रेनों का भोपाल मंडल के संत हिरदाराम नगर एवं बीना स्टेशन पर ठहराव रहेगा, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध होगी। 1. ट्रेन संख्या 09073/09074 उधना-जयनगर-उधना अनारक्षित साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 09073 उधना-जयनगर अनारक्षित स्पेशल दिनांक 18 एवं 25 अक्टूबर 2026, रविवार को उधना से 09:50 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन रतलाम मंडल के रतलाम, नागदा एवं उज्जैन स्टेशनों से होते हुए भोपाल मंडल के संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर ठहराव लेकर मंगलवार को 05:30 बजे जयनगर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09074 जयनगर-उधना अनारक्षित स्पेशल दिनांक 20 एवं 27 अक्टूबर 2026, मंगलवार को जयनगर से 09:00 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन निर्धारित मार्ग से होते हुए भोपाल मंडल के संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर ठहराव लेकर गुरुवार को 07:30 बजे उधना पहुँचेगी। 2. ट्रेन संख्या 09071/09072 उधना-जयनगर-उधना अनारक्षित साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 09071 उधना-जयनगर अनारक्षित स्पेशल दिनांक 18



एवं 25 अक्टूबर 2026, रविवार को उधना से 15:45 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन रतलाम, नागदा एवं उज्जैन स्टेशनों से होते हुए भोपाल मंडल के संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर ठहराव लेकर मंगलवार को 11:30 बजे जयनगर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09072 जयनगर-उधना अनारक्षित स्पेशल दिनांक 20 एवं 27 अक्टूबर 2026, मंगलवार को जयनगर से 13:30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन निर्धारित मार्ग से होते हुए भोपाल मंडल के संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर ठहराव लेकर गुरुवार को 08:30 बजे उधना पहुँचेगी। दोनों जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का ठहराव वडोदरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा एवं मधुबनी सहित विभिन्न स्टेशनों पर रहेगा। यात्रीगण ट्रेनों के ठहराव, समय-सारणी एवं कोच संरचना सहित अन्य विस्तृत जानकारी के लिए भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट अथवा रेलवन ऐप का उपयोग कर सकते हैं।

संपादकीय

यमन में सऊदी हूती संघर्ष

सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष पश्चिम एशिया की सबसे गंभीर सुरक्षा चुनौतियों में से एक है। यह संघर्ष यमन के लंबे समय से जारी गृहयुद्ध, राजनीतिक अस्थिरता, क्षेत्रीय शक्ति-संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक हितों का परिणाम है। वर्ष 2014 में हूती विद्रोहियों द्वारा यमन की राजधानी सना पर कब्जा करने के बाद संघर्ष ने व्यापक रूप ले लिया। मार्च 2015 में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के हस्तक्षेप ने इसे घरेलू राजनीतिक संकट से क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौती में बदल दिया। यद्यपि कूटनीतिक प्रयासों से तनाव कम करने की कोशिशें हुई हैं, फिर भी यह संघर्ष मानवीय सुरक्षा, समुद्री व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।

इस संघर्ष का पहला प्रमुख कारण यमन में राजनीतिक अस्थिरता और कमजोर शासन व्यवस्था है। वर्ष 2011 के अरब स्प्रिंग के दौरान व्यापक विरोध प्रदर्शनों के कारण राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह को सत्ता छोड़नी पड़ी। उनके उत्तराधिकारी अब्दरब्बुह मंसूर हादी एक प्रभावी और समावेशी शासन स्थापित करने में सफल नहीं हो सके। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता और कमजोर सरकारी संस्थाओं ने राजनीतिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया। परिणामस्वरूप, विभिन्न सशस्त्र समूहों और राजनीतिक शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ी, जिससे हूती आंदोलन के विस्तार के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनीं। दूसरा प्रमुख कारण हूती आंदोलन की राजनीतिक और सामाजिक शिकायतें हैं।

हूती आंदोलन, जिसे अंसार अल्लाह भी कहा जाता है, उत्तरी यमन के जैदी शिया समुदाय से उभरा। इसके समर्थकों ने राजनीतिक उपेक्षा, आर्थिक पिछड़ेपन और धार्मिक-सांस्कृतिक हाशिये पर रखे जाने के विरुद्ध आवाज उठाई। समय के साथ यह आंदोलन एक शक्तिशाली सशस्त्र संगठन बन गया। हालांकि इसकी जड़ें यमन की घरेलू परिस्थितियों में हैं लेकिन इसके सैन्य विस्तार और प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक समूहों के साथ संघर्ष ने देश की अस्थिरता को और बढ़ाया।

वर्ष 2014 में हूतियों द्वारा राजधानी सना पर कब्जा करना संघर्ष का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने देश के कई अन्य क्षेत्रों में भी अपना प्रभाव बढ़ाया। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार की स्थिति कमजोर हुई और राजनीतिक संक्रमण की प्रक्रिया बाधित हो गई। सऊदी अरब ने इस घटनाक्रम को अपनी दक्षिणी सीमा के निकट गंभीर सुरक्षा चुनौती के रूप में देखा। यमन के साथ लंबी साझा सीमा होने के कारण सऊदी अरब को आशंका थी कि हूतियों का विस्तार उसकी क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है।

सऊदी अरब की सुरक्षा संबंधी चिंताएँ संघर्ष का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण हैं। हूतियों द्वारा सऊदी क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन हमलों तथा सैन्य ठिकानों एवं महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को निशाना बनाए जाने से दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ा। मार्च 2015 में सऊदी अरब ने हूतियों की बढ़ती शक्ति को रोकने और मान्यता प्राप्त यमनी सरकार को समर्थन देने के उद्देश्य से सैन्य हस्तक्षेप किया। हालांकि इस हस्तक्षेप का घोषित उद्देश्य यमन की सरकार को बहाल करना था लेकिन लंबे समय तक चले सैन्य अभियान से संघर्ष का समाधान और जटिल हो गया।

इस संघर्ष का व्यापक भू-राजनीतिक कारण ईरान और सऊदी अरब के बीच क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा है। ईरान ने हूती आंदोलन को विभिन्न स्तरों पर राजनीतिक, तकनीकी और सैन्य समर्थन दिया है। सऊदी अरब इसे अपनी दक्षिणी सीमा के निकट ईरानी प्रभाव बढ़ने के रूप में देखता है। हालांकि हूती आंदोलन की अपनी घरेलू जड़ें और स्वतंत्र राजनीतिक प्राथमिकताएँ भी हैं, फिर भी ईरान-सऊदी प्रतिद्वंद्विता ने संघर्ष को व्यापक क्षेत्रीय आयाम प्रदान किया। इस प्रकार यमन आंतरिक राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ पश्चिम एशिया की शक्ति-प्रतिस्पर्धा का भी एक प्रमुख केंद्र बन गया। संघर्ष के क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हुए हैं। इसका सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव मानवीय संकट के रूप में दिखाई देता है। लंबे समय तक चले युद्ध ने बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित किया है तथा खाद्य असुरक्षा, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी जैसी समस्याओं को गंभीर बनाया है।

वह गुजराती जिसने भारत को सिर्फ बचत नहीं, स्वामित्व सिखाया

कैसे धीरूभाई अंबानी शेयर बाजार को मध्यमवर्गीय घरों तक ले गए और औद्योगिक गुजरात ना नाथ बने



गुजरात हमेशा से व्यापार, बचत और सोच-समझकर जोखिम उठाने की संस्कृति को समझता रहा है। लेकिन चोरवाड़ से निकले एक व्यक्ति ने गुजरात ही नहीं, पूरे देश को दिखाया कि यह भावना क्या हासिल कर सकती है।

उन दिनों भारतीय शेयर बाजार कुछ अमीर व्यापारियों और स्थापित कारोबारी परिवारों तक सीमित था। आम मध्यमवर्गीय परिवार अपनी बचत सोने, जमीन या बैंक जमा में रखता था। किसी बड़ी कंपनी में हिस्सेदारी खरीदना उनकी कल्पना से भी बाहर था।

धीरूभाई अंबानी ने यह सोच बदल दी। उन्हें कोई विरासत में साम्राज्य नहीं मिला था और न ही वे किसी कारोबारी खानदान से आए थे। उनके पास इससे कहीं अधिक दुर्लभ चीज थी–दूसरों को असंभव लगने वाले पैमाने पर सपने देखने की क्षमता और आम लोगों को उस सपने का साझेदार बनाने का विश्वास।

चोरवाड़ से अदन तक

उनकी कहानी 1932 में सौराष्ट्र के तटवर्ती क्षेत्र चोरवाड़ के एक साधारण परिवार में जन्म से शुरू हुई। किशोरावस्था में वे काम की तलाश में यमन के अदन चले गए। वहां उन्होंने ए. बेस्से एंड कंपनी में पहले क्लर्क और बाद में कंपनी के पेट्रोलियम कारोबार से जुड़े ऑयल-फिलिंग स्टेशन का प्रबंधन किया।

अदन उनके लिए वास्तविक शिक्षा का केंद्र बना। टैंकरों, व्यापारियों और सीमाओं के पार होने वाले कारोबार को देखकर उन्होंने सीखा कि कारोबार केवल इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आपके पास क्या है, बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि आप अवसरों को किस तरह पहचानते हैं।

मुंबई लौटने के बाद उन्होंने छोटे स्तर पर व्यापार शुरू किया। मसालों से धागे तक, व्यापार से विनिर्माण तक उनका सफर आगे बढ़ा और 1966 में गुजरात के नारोदा में स्थापित टेक्सटाइल मिल से भारत को विमल ब्रांड मिला, जो जल्द ही घर-घर में पहचाना जाने लगा।

निवेश की दुनिया बदल देने वाला सवाल

धीरूभाई का सबसे महत्वपूर्ण विचार एक सरल लेकिन क्रांतिकारी सवाल था–यदि करोड़ों भारतीय परिवार अपने बच्चों के भविष्य के लिए मेहनत से बचत करते हैं, तो वे केवल बड़ी कंपनियों के बनाए उत्पादों के उपभोक्ता ही क्यों रहें? वे उन कंपनियों के मालिक क्यों नहीं बन सकते? इसका जवाब 1977 में मिला, जब रिलायंस टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज सार्वजनिक हुई। इसका इश्यू सात गुना अधिक सब्सक्राइब हुआ।

अचानक एक स्कूल शिक्षक, छोटा व्यापारी या वेतनभोगी कर्मचारी किसी तेजी से बढ़ती औद्योगिक कंपनी का शेयरधारक बन सकता था और वार्षिक रिपोर्ट, लाभांश तथा बोनस इश्यू के माध्यम से उसकी प्रगति में सहभागी हो सकता था। धीरूभाई ने भारत के शेयर बाजार या स्टॉक एक्सचेंज बनाए नहीं थे। लेकिन उन्होंने शेयर बाजार को आम घरों तक उस पैमाने पर पहुंचाया, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया था। वे भारत में इक्विटी कल्चर को जन-जन तक पहुंचाने वाले अग्रदूत बने–उन्होंने शेयर स्वामित्व को कुछ लोगों के विशेषाधिकार से निकालकर करोड़ों लोगों की आकांक्षा बना दिया।

रिलायंस की वृद्धि से शुरूआती शेयरधारकों में कई लोगों ने उल्लेखनीय संपत्ति बनाई। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह थी कि एक विश्वास पैदा हुआ–किसी कंपनी की सफलता में उसके साथ खड़े लोगों की भी हिस्सेदारी हो सकती है।

गुजरात का गौरव

उस दौर में भारतीय उद्योग जगत पर टाटा, बिड़ला और बॉम्बे डाइंग जैसे स्थापित नामों का दबदबा था। धीरूभाई एक फर्स्ट-जेनरेशन चैलेंजर के रूप में सामने आए। उन्होंने साबित किया कि एक बड़ा कारोबारी घराना साधारण पृष्ठभूमि से भी खड़ा हो सकता है। गुजरात ने इसे केवल एक कॉर्पोरेट उपलब्धि के रूप में नहीं देखा, बल्कि गौरव के रूप में अपनाया। राज्य के शहरों और कस्बों में, जहां बचत और निवेश की संस्कृति गहरी है, रिलायंस को सहज स्वीकार्यता मिली। धीरूभाई उनमें से ही एक थे।

उनकी सफलता ने गुजरात की पीढ़ियों पुरानी उस मान्यता को मजबूत किया कि उद्यमिता, दृढ़ता और जोखिम उठाने का साहस व्यक्ति की नियति बदल सकता है। यह उद्यमिता के माध्यम से व्यक्त गुजराती अस्मिता थी। यही कारण है कि धीरूभाई अंबानी को औद्योगिक गुजरात ना नाथ–औद्योगिक गुजरात के पितामह–के रूप में याद किया जाता है।

वह निमंत्रण जो कभी वापस नहीं लिया गया

1977 में धीरूभाई ने गुजरात को जो सबसे बड़ा उपहार दिया, वह न कोई फैक्ट्री थी और न कोई ब्रांड। वह था भारत की विकास यात्रा को बाहर से देखने के बजाय उसका हिस्सा बनने का निमंत्रण। जिन लोगों ने यह निमंत्रण स्वीकार किया, वे देश की महान कारोबारी सफलता की कहानियों में साझेदार बने। यह निमंत्रण दो और पीढ़ियों से होकर आगे बढ़ा है और आज भी कायम है।

'मिसाइल मैन" जो महिला सशक्तीकरण को मजबूत राष्ट्र का आधार मानते थे

डॉ. लोकेश कुमार चन्देल

एपीजे अब्दुल कलाम को 'भारत का मिसाइल मैन और 'जनता का राष्ट्रपति कहा जाता है। वे कहते थे कि सपने वो नहीं, जो सोने के बाद देखते हैं, सपने वो हैं, जो आपको सोने नहीं देते। यदि आप सूरज की तरह चमकना चाहते हैं तो पहले सूरज की तरह जलना सीखना होगा।' उनका जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उनको भारत के 11वें राष्ट्रपति, महान एयरस्पेस वैज्ञानिक और युवाओं के सबसे बड़े प्रेरणास्रोत के रूप में जा जाता है। उन्हें एक ऐसे शिक्षक के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने जीवन का अंतिम क्षण भी छात्रों को पढ़ाते हुए बिताया। उनका पूरा नाम अवुल पाकिर जैनुलआबदीन अब्दुल कलाम है। उन्हें बच्चों और छात्रों से बेहद लगाव था इसलिए उनकी जयंती को 'विश्व छात्र दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वे इसरो और डीआरडीओ में रहकर देश के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएलवी- 3 वी) समेत कई मिसाइल कार्यक्रमों में अहम योगदान दिया। उन्हें 1997 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

उन्होंने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में रहते हुए अग्नि और पृथ्वी जैसी बैलिस्टिक मिसाइलों के विकास में अहम भूमिका निभाई, जिससे उन्हें यह उपाधि मिली। उनका कार्यकाल 2002 से 2007 तक राष्ट्रपति रहने के दौरान उनका सरल स्वभाव, बच्चों और युवाओं से जुड़ाव और सादा जीवन उन्हें जनता का राष्ट्रपति बनाता है। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में कार्य करते हुए भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपास्त्र का नेतृत्व किया और 1998 के पोखरण-द्वितीय परमाणु परीक्षण में मुख्य भूमिका निभाई। इंडिया 2020 और प्रौद्योगिकी विजन 2020 के माध्यम से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप तैयार किया। विंग्स ऑफ फायर और इग्नाइटेड माइंड्स जैसी प्रेरणादायक पुस्तकें लिखीं और युवाओं को प्रेरित करने के लिए अपना पूरा जीवन शिक्षक के रूप में समर्पित कर दिया। उन्हें भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न (1997) के अलावा पद्म विभूषण (1990) और पद्म भूषण (1981) से भी सम्मानित किया गया था।



उनका मानना था कि किसी भी देश के भविष्य की नींव उसके क्लासरूम में होती है। प्राथमिक शिक्षा में रचनात्मकता और ज्ञान को बढ़ावा मिलना बहुत आवश्यक है। असफलता से कभी घबराना नहीं चाहिए क्योंकि असफलताएं ही आगे चलकर सफल होने के नए आइडिया देती हैं। एक सुंदर और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण में परिवार की मुख्य भूमिका होती है, इसमें माता-पिता और शिक्षक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में सही संस्कार डालें। खुश रहने का सबसे बड़ा मंत्र है कि उम्मीद हमेशा खुद से रखें, किसी और इंसान से नहीं। उनका कहना था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना या डिग्री हासिल करना नहीं है बल्कि एक अच्छे और संवेदनशील इंसान का निर्माण करना है। उनका कहना था कि सच्ची शिक्षा वही है, जो छात्रों में मानवीय मूल्य, अनुशासन, सत्यनिष्ठा और चरित्र का विकास करे। उनका विचार था कि किसी भी देश के भविष्य की नींव बोर्डरूम में नहीं बल्कि क्लासरूम (कक्षाओं) में रखी जाती है। एक अच्छी शिक्षा प्रणाली वह है, जो बच्चों में नई चीजें सीखने की जिज्ञासा, प्रश्न पूछने की क्षमता और रचनात्मकता को बढ़ावा दे। वे चाहते थे कि शिक्षा ऐसी हो, जो युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला न बनाए बल्कि उन्हें नौकरी देने वाला और 'उद्यमी तैयार करे।

वे स्वयं को एक शिक्षक कहलाना पसंद करते थे। उनके अनुसार शिक्षक का काम बच्चों में क्षमताएं खोजने और उन्हें प्रेरित करने का होना चाहिए। उन्होंने बचपन से ही बच्चों में वैज्ञानिक सोच, कौशल विकास और तकनीकी समझ को मजबूत करने पर जोर दिया। उनका मानना था कि कॉलेज या यूनिवर्सिटी की डिग्री से ज्यादा महत्वपूर्ण वह बुनियादी और मूल्य-आधारित शिक्षा है, जो बच्चे को उसके बचपन में मिलती है।

डॉ . कलाम का कहना था कि धर्म और अध्यात्म पर विचार अत्यंत उदार, समावेशी और मानवतावादी थे। वे एक सच्चे मुसलमान थे, जो नियमित रूप से नमाज पढ़ते, रोजा रखते थे और कुरान का अध्ययन करते थे लेकिन इसके साथ ही वे सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान भी करते थे। उनका मानना था कि व्यक्तिगत आस्था और धर्म अपनी जगह हैं लेकिन जब देश की बात आती है, तो सबसे बड़ी पहचान भारतीय होनी चाहिए। उन्होंने इग्नाइटेड माइंड्स जैसी पुस्तकों में लिखा कि जब तक हम धार्मिक पहचान से ऊपर उठकर राष्ट्र को प्राथमिकता नहीं देंगे, विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता। वे धर्म को जोड़ने का माध्यम मानते थे, बांटने का नहीं। उनका विचार था कि महान लोग धर्म को दोस्त बनाने का जरिया मानते हैं, जबकि छोटे लोग इसे लड़ने का हथियार बना लेते हैं।ह वे केवल इस्लाम तक सीमित नहीं थे, उन्होंने भगवद्गीता का अध्ययन किया, वीणा बजाई और प्रमुख स्वामी महाराज जैसे आध्यात्मिक गुरुओं से गहरे जुड़े रहे। वैज्ञानिक कार्यों के दौरान वे तिरुपति मंदिर भी जाते थे। उनके लिए विज्ञान और अध्यात्म एक ही सिक्के के दो पहलू थे। उनका मानना है कि पूरी मानवता और ब्रह्मांड एक ही सर्वोच्च शक्ति की व्यवस्थाएं हैं। उन्होंने हमेशा यही सिखाया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है।

महिला सशक्तीकरण के हिमायती

वे महिला सशक्तीकरण के प्रबल समर्थक थे। उनका मानना था कि किसी भी देश और समाज के तीव्र विकास के लिए महिलाओं का सशक्त होना सबसे पहली शर्त है। वे हमेशा कहा करते थे कि जब महिलाओं को सशक्त बनाया जाता है, तो एक स्थिर, सुरक्षित और शांतिपूर्ण समाज सुनिश्चित होता है। महिलाओं का सशक्तीकरण एक अच्छे परिवार, अच्छे समाज और अंततः एक मजबूत राष्ट्र के तीव्र विकास की ओर ले जाता है। उनका कहना था कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए, क्योंकि उनकी कार्यशैली और मूल्य प्रणाली देश को सही दिशा दे सकती है। महिलाओं को शिक्षित करने से न केवल उनका जीवन सुधरता है बल्कि समाज में जागरूकता आती है और जनसंख्या वृद्धि को भी नियंत्रित करने में मदद मिलती है। उन्होंने हमेशा कृषि, हस्तशिल्प और उद्योगों में महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने की बात कही, ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। नारी को ईश्वर की सबसे सुंदर रचना मानते थे। उन्होंने अपने जीवन में दो महिलाओं को अपना सबसे बड़ा मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत बताया था। उन्होंने सरलता, सादगी और निःस्वार्थ प्रेम सीखा। बहरहाल हम कह सकते हैं कि एपीजे अब्दुल कलाम का जीवन बच्चों, महिलाओं और वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणापुंज हैं।

न्यूज ब्रीफ

मराठी शरद व्याख्यान माला 23 अक्टूबर से

ग्वालियर। मराठी शरद व्याख्यानमाला का 95वां सत्र 23 से 30 अक्टूबर तक दत्त मंदिर, जीवाजी गंज में आयोजित होगा। माला के प्रचार प्रमुख निशिकांत सुरंगे ने बताया कि 23 अक्टूबर को शाम 7 बजे अजय मुटाटकर दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर शुभारंभ करेंगे। इसके बाद वे रामदास स्वामी आणि मानव संसाधन नियोजन विषय पर व्याख्यान देंगे। 24 अक्टूबर को तीन से सात और सात से 14 वर्ष के बच्चों के लिए शुभंकरोति कार्यक्रम होगा। 25 अक्टूबर को कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 26 अक्टूबर को श्रेयस गोखले मध्य प्रदेश की मंदिर संस्कृति पर विचार रखेंगे। 27 अक्टूबर को युवा वक्तृत्व कार्यक्रम में कृतिका भारतीय संस्कृति और योगिनी ध्रुपद विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगी। 28 अक्टूबर को आशा बैजल मातृशक्ति भारतीय संस्कृति का आधार विषय पर व्याख्यान देंगी। 29 अक्टूबर को अनिल ओक और 30 अक्टूबर को एसजी चिटनिस संबोधित करेंगे। समापन पर बच्चों को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

आईआईआईटीएम ग्वालियर में हायर स्मार्ट लॉन्ड्री का शुभारंभ

ग्वालियर7 अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान ग्वालियर में आज हायर स्मार्ट लॉन्ड्री का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य संस्थान के विद्यार्थियों को आधुनिक एवं सुविधाजनक कपड़े धोने की सेवा उपलब्ध कराना है।इस अवसर पर संस्थान की ओर से निदेशक प्रो. एस.एन. सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह एवं छात्रावास मामलों के सह-अधिष्ठाता डॉ. विशाल व्यास उपस्थित रहे। वहीं, हायर स्मार्ट सॉल्यूशंस की ओर से बिजनेस हेड विकास शास्त्री, ऑपरेशंस हेड आकाश सिंह एवं मैनेजर चैतन्य गंगोत्री ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

मधुर मराठी मंच की काव्य गोष्ठी 24 को

ग्वालियर। मराठी साहित्यिक संस्था मधुर मराठी मंच की मासिक मराठी काव्य गोष्ठी 24 अक्टूबर को शाम पांच बजे सुबे की गोठ, मोरगांवकर के राम मंदिर में आयोजित की जाएगी। गोष्ठी में कवि कोजागिरी पूर्णिमा और आली दिवाली विषय पर मराठी भाषा में अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। इसके अलावा अन्य विषयों पर भी कविता पाठ किया जा सकेगा।कार्यक्रम के आयोजक एवं मंच के अध्यक्ष अशोक शिरढोणकर आशू ने बताया कि संस्था की स्थापना के दस वर्ष पूरे होने के अवसर पर जनवरी 2027 में मराठी काव्य संग्रह स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा। इसके माध्यम से मंच की साहित्यिक यात्रा और मराठी कविता से जुड़े रचनाकारों की सृजनात्मक अभिव्यक्तियों को संकलित करने का प्रयास किया जाएगा।

बंगाली समाज का दुर्गा पूजा उत्सव मानस भवन में 16 से

ग्वालियर। बंगाली सोशल एंड कल्चरल एसोसिएशन का 34वां दुर्गा पूजा उत्सव मानस भवन फूलबाग में 16 अक्टूबर षष्ठी तिथि से आरंभहोगा। इसकी पूर्व संध्या पर 15 अक्टूबर को आनंद मेला का आयोजन किया जाएगा। इसमें अगमोनी, नृत्य नाटिका के साथ ड्राइंग, शंखध्वनि, संगीत और नृत्य प्रतियोगिता भी होगी। एसोसिएशन के अध्यक्ष तपन दास के अनुसार दुर्गा पूजा 16 अक्टूबर को सुबह षष्ठी पूजा, कलारंभ से होगा। दोपहर में पुष्पांजलि और शाम को संध्या आरती होगी। 17 आऔर 18 को महा सप्तमी पूजा, 19 को महा अष्टमी पूजा रहेगी। 20 अक्टूबर को महा नवमी पर पुष्पांजलि के साथ कुंवारी पूजा विशेष रहेगी। 21 अक्टूबर को दर्पण विसर्जन, देवी वरन के साथ सागरताल में विसर्जन के लिए चल समारोह का कार्यक्रम रहेगा।

छात्राओं ने जब्त की 300 किलो पॉलीथिन

ग्वालियर। स्वच्छ भारत मिशन 2026-27 के अंतर्गत नगर निगम द्वारा प्रतिबंधित पॉलीथिन के उपयोग पर रोक लगाने और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। मंगलवार को सरकारी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, षिंदे की छावनी की छात्राओं ने आसपास के क्षेत्र में पॉलीथिन का उपयोग करने वाले दुकानदारों एवं ठेलेवालों से नगर निगम के साथ मिलकर पॉलीथिन जब्त की। साथ ही उन्हें पॉलीथिन के विकल्प के रूप में कपड़े या जूट के थैले, बायोडिग्रेडेबल पॉलीबैग और माइक्रो-ओवन वाले बैग इस्तेमाल करने का सुझाव दिया गया।

सिंधिया राजघराने की 41 हजार करोड़ की संपत्ति का विवाद

प्रतिमा देवी को कोर्ट में पेश करने होंगे धोखाधड़ी के सबूत

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



सिंधिया राजघराने की करीब 41 हजार करोड़ रुपए की संपत्ति के बंटवारे से जुड़े बहुचर्चित मामले में कानूनी पेच एक बार फिर बढ़ गया है। आपसी सहमति से तैयार समझौते पर आपत्ति जताने वाली प्रतिमा देवी राना को अब 29 अक्टूबर को अदालत में उपस्थित होकर अपने आरोपों के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। प्रतिमा देवी ने आरोप लगाया है कि उनसे धोखाधड़ी कर समझौता प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कराए गए थे। उनके आरोपों के केंद्र में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, पूर्व मंत्री यशोधरा राजे और उषा राजे हैं। बुधवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय में अंतरिम आवेदन और आपत्ति आवेदन पर सुनवाई हुई। अब 29 अक्टूबर को होने वाली सुनवाई में प्रतिमा देवी के बयान और उनके द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले साक्ष्य अहम होंगे। इसके बाद ही मामले की आगे की सुनवाई किस आधार पर होगी, इसकी दिशा स्पष्ट हो सकेगी। प्रतिमा देवी को साबित करने होंगे धोखाधड़ी के आरोप प्रतिमा देवी राना ने अदालत में आवेदन देकर समझौता प्रस्ताव पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना है कि समझौते पर उनके हस्ताक्षर सहमति से नहीं, बल्कि धोखाधड़ी से कराए गए। उन्होंने मामले की प्रक्रिया में दोबारा शामिल होने और संपत्ति में अपने अधिकारों पर विचार किए जाने की मांग भी की है। अब अदालत में उन्हें अपने आरोपों के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें यह बताना होगा कि समझौते पर हस्ताक्षर किन परिस्थितियों में कराए गए और किन आधारों पर वह इसे धोखाधड़ी का मामला मानती हैं। प्रतिमा देवी के आरोपों पर ज्योतिरादित्य सिंधिया और राजे परिवार की अन्य सदस्यों की ओर से पहले ही आपत्ति जताई जा चुकी है। उनका पक्ष है कि समझौते पर हस्ताक्षर आपसी सहमति से किए गए थे और इसमें कोई धोखाधड़ी नहीं हुई। प्रतिमा देवी की आपत्ति के जवाब में वसुंधरा राजे, यशोधरा राजे और उषा राजे की ओर से अदालत में कहा गया कि समझौते पर हस्ताक्षर सहमति से हुए थे। उनके पक्ष के अनुसार, हस्ताक्षर के बाद सभी लोग वहां रुके थे, पारिवारिक डिनर हुआ था और तस्वीरें भी ली गई थीं। ज्योतिरादित्य सिंधिया की ओर से भी कहा गया था कि समझौते पर हस्ताक्षर सहमति से किए गए और प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी नहीं हुई। इस तरह मामले में दोनों पक्षों के दावे अलग-अलग हैं। अब अदालत में प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर इन आरोपों और दावों पर आगे विचार किया जाएगा। पहले एकपक्षीय घोषित हो चुकी थीं प्रतिमा देवी संपत्ति विवाद के मूल सिविल मुकदमे में वसुंधरा राजे, यशोधरा राजे और उषा राजे ने पैतृक संपत्ति में हिस्सा पाने के लिए मुकदमा दायर किया था। इस मामले में दिवंगत पद्मावती राजे की बेटियों कनिका देवी सिंह और प्रतिमा देवी राना को भी पक्षकार बनाया गया था। हालांकि, पहले की सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं होने के कारण दोनों को अदालत ने एकपक्षीय यानी एक्स पार्टी घोषित कर दिया था। बाद में प्रतिमा देवी ने अदालत में आवेदन देकर मामले में अपनी भागीदारी और समझौते पर आपत्ति दर्ज कराई। पद्मावती राजे के संपत्ति में हिस्से और उनकी बेटियों के अधिकारों का सवाल भी इस विवाद को कानूनी रूप से महत्वपूर्ण बनाता है। 29 अक्टूबर की सुनवाई पर टिकी निगाहें सिंधिया राजघराने की देशभर में फैली संपत्तियों के बंटवारे से जुड़े इस मामले में 29 अक्टूबर की सुनवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्रतिमा देवी के बयान और साक्ष्य सामने आने के बाद अदालत यह तय करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है कि समझौते पर उनकी आपत्ति की सुनवाई किस प्रक्रिया के तहत की जाए। फिलहाल समझौते की वैधता और उस पर उठाई गई आपत्ति को लेकर अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। अगली सुनवाई में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर मामले की आगे की कानूनी प्रक्रिया स्पष्ट होगी।

ग्वालियर में प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट एक्शन मोड में

अंबेडकर धाम और भाजपा कार्यालय पहुंचे, बोले- समय पर पूरे हों काम; 29 को आ रहे अमित शाह

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट बुधवार को ग्वालियर दौरे के दौरान एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने दिन की शुरुआत सर्किट हाउस में विभागीय बैठक से की। इसके बाद जौरासी पहुंचकर निर्माणाधीन डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक का निरीक्षण किया। मंत्री ने शहर में बन रहे भारतीय जनता पार्टी के नए जिला कार्यालय के निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया। इसके बाद कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर, एसपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था और जनसमस्याओं की समीक्षा की। मंत्री के दौरे का प्रमुख केंद्र केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का 29 अक्टूबर को प्रस्तावित ग्वालियर दौरा रहा। इसे लेकर प्रशासनिक तैयारियों और कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया। प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट सुबह मुरार स्थित वीआईपी सर्किट हाउस पहुंचे, जहां जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में लंबित विकास परियोजनाओं, विभागीय कामकाज और फाइलों के निराकरण की समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को कामकाज में तेजी लाने और लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए। सर्किट हाउस में बैठक के बाद मंत्री तुलसी सिलावट प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाह के साथ जौरासी पहुंचे।

खुद को बचाते हुए सरगना पर ठीकरा फोड़ना

पासपोर्ट कमीशन मामले में नए खुलासे धर्म की आड़ में गतिविधियों की जांच

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



धर्म की आड़ में देश की सुरक्षा और संप्रभुता के साथ खिलवाड़ करने वाले एक बड़े बांग्लादेशी पासपोर्ट फर्जीवाड़े के मामले में हर रोज चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। डबरा के सिमरिया वार्ड क्रमांक एक से छह घुसपैठियों के अवैध पासपोर्ट तैयार कराने के इस राष्ट्रविरोधी खेल में स्थानीय मास्टरमाइंड गुलाबराय गौतम उर्फ सम्यक बोधि भंते का मुख्य चेहरा बेनकाब हो गया है। पुलिस पूछताछ में यह बात सामने आई है कि गुलाबराय को प्रत्येक फर्जी पासपोर्ट के बदले अवैध कमीशन मिलता था, जिसे घुसपैठियों का सरगना रियाल चौधरी दान के रूप में प्रदान करता था। यह पूरा मामला केवल एक व्यक्ति की जालसाजी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकारी तंत्र की गंभीर लापरवाही और सुस्ती को भी उजागर करता है, जहां महज कुछ ही घंटों के भीतर विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता का प्रमाण-पत्र थमा दिया गया। कानून का शिकंजा कसता देख मुख्य आरोपी गुलाबराय अब सारा दोष रियाल चौधरी पर मढ़ने का प्रयास कर रहा है। उसका कहना है कि वह केवल भरोसे में आकर गवाही दे रहा था। हालांकि, स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) का मानना है कि गुलाबराय के बैंक खातों की गहन जांच के बाद ही उसकी इस काली कमाई का पूरा सच सामने आ सकेगा। उसे भली-भांति यह ज्ञात था कि ये लोग मूल रूप से बांग्लादेशी हैं, इसके बावजूद उसने प्रशासनिक तंत्र में बैठे मोहरों के जरिए इस देशविरोधी कृत्य को अंजाम दिया। गुलाबराय ने यह स्वीकार किया है कि वह लगभग पांच वर्षों तक सिमरिया स्थित आंबेडकर पार्क के बौद्ध विहार का प्रमुख रहा है।

जीवाजी विश्वविद्यालय के विकास को लेकर सीएम मोहन यादव से मिले कुलगुरु दिवाकर सिंह राजपूत

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



:मध्य प्रदेश के ग्वालियर में स्थित जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। इस दौरान विश्वविद्यालय के सुचारू संचालन, विकास योजनाओं, अकादमिक गतिविधियों और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार समेत विभिन्न अहम विषयों पर दोनों के बीच चर्चा की गई। मुलाकात के दौरान विश्वविद्यालय के मौजूदा कार्यों के साथ - साथ भविष्य की विकास योजनाओं और संस्थागत प्रगति से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ। कुलगुरु प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने मुख्यमंत्री से विश्वविद्यालय के संचालन और विकास की भावी योजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया। चर्चा का प्रमुख केंद्र विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों को बेहतर बनाना, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने जैसे विषय रहे।ग्वालियर समेत बड़े इलाके में उच्च शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान आपको बता दें कि, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर समेत आसपास के इलाकों में उच्च शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान है। ऐसे में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक कामकाज को बेहतर बनाने के लिए विकास योजनाओं का प्रभावी संचालन महत्वपूर्ण माना जाता है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार और संस्थागत विकास के प्रयास विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

ग्वालियर में कोचिंग के लिए निकली छात्रा इंदौर में मिली पुलिस ने 14 दिन में 125 से ज्यादा CCTV खंगाले

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के अंतर्गत आने वाले उटीला क्षेत्र से कोचिंग के लिए घर से निकली एक पंद्रह वर्षीय नाबालिग छात्रा को पुलिस ने करीब चौदह दिनों की कड़ी मशक्कत के बाद इंदौर से सकुशल बरामद कर लिया है। इस पूरे मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इंदौर के रहने वाले आरोपी अरुण रमेश को गिरफ्तार कर लिया है। छात्रा के मोबाइल फोन के बंद होने और सोशल मीडिया पर कोई भी डिजिटल सुराग न मिलने के कारण पुलिस के लिए उसे ढूंढना एक बड़ी चुनौती बन गया था, जिसे पुलिस ने अपनी तकनीकी दक्षता और सूझबूझ से पूरा किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत तीस सितंबर को उटीला निवासी दसवीं कक्षा की यह छात्रा रोज की तरह सामान्य रूप से घर से कोचिंग के लिए रवाना हुई थी। हालांकि, दोपहर तक जब वह अपने घर वापस नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी अपने स्तर पर तलाश शुरू की। जब उसके बारे में कोई भी संतोषजनक जानकारी हाथ नहीं लगी, तो परिजनों ने स्थानीय थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराते हुए एक युवक पर अपनी आशंका व्यक्त की। इसके बाद पुलिस ने तुरंत हरकत में आते हुए मामले की गहन छानबीन शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस को यह पता चला कि छात्रा और संदेही युवक, दोनों के ही मोबाइल फोन पूरी तरह से बंद आ रहे हैं और सोशल मीडिया अकाउंट्स से भी कोई मदद नहीं मिल रही है। इस पर पुलिस ने अत्याधुनिक तकनीकों का सहारा लेते हुए ग्वालियर से लेकर इंदौर तक के रूट का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की रणनीति बनाई। एसडीओपी बेहट मनीष यादव और उटीला थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह सिसौदिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने उटीला से लेकर ग्वालियर रेलवे स्टेशन तक के दर्जनों कैमरों की जांच की। इसी दौरान रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर पर छात्रा एक युवक के साथ नजर आई, जहां से उन्होंने भोपाल का टिकट लिया था।

पासपोर्ट ऑफिस से मांगा 70 लोगों का डेटा

फर्जी पासपोर्ट कांडः एसटीएफ के रडार पर सम्यक के बैंक अकाउंट

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

मध्य प्रदेश में बांग्लादेशी नागरिकों के फर्जी पासपोर्ट बनाने वाले सिंडिकेट पर एसटीएफ ने शिकंजा कस दिया है। मुख्य सरगना रियाल चौधरी और उसके साथी सम्यक बौधी को जेल से वापस पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। दोनों की क्रॉस-पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। अब पुलिस की जांच दो सबसे बड़े बिंदुओं 'मनी ट्रेल' और 'फॉरेन ट्रिप' मतलब'पैसा कहां से आया और कितने लोग विदेश भाग गए' पर टिक गई है। इतना जरुर पता लगा है कि गुलाब राय गौतम के जिस अकाउंट को कमीशन पर लेकर रियाल चौधरी यूज करता था उसमें लाखों रुपए का लेनदेन हुआ है। एसटीएफ ने आरोपी सम्यक बौधी के सभी बैंक खातों के स्टेटमेंट निकाल लिए हैं। पुलिस इस समय पूरे 'मनी ट्रेल' (पैसे का लेन-देन) का ब्योरा खंगाल रही है। जैसे अकाउंट में पैसा कहां से आया?, किसने और किस मकसद से रकम ट्रांसफर की?, कैश में निकासी किसने और कब-कब की? जांच अधिकारियों के हाथ इस आर्थिक लेन-देन का पूरा ब्योरा लग रहा है, जिससे यह साफ होगा कि इस फर्जीवाड़े में किस-किस को कितना कमीशन बांटा गया। फर्जीवाड़े का सबसे खतरनाक पहलू देश की सुरक्षा से जुड़ा है। संदिग्ध रूप से बनाए गए 70 पासपोर्ट्स का पूरा डेटा एसटीएफ ने पासपोर्ट ऑफिस से तलब किया है।



पुलिस यह पता लगा रही है कि इन 70 संदिग्ध पासपोर्ट धारकों में से कितने बांग्लादेशी नागरिक भारत का फर्जी पासपोर्ट इस्तेमाल करके विदेश जा चुके हैं। सबसे अहम सवाल यह है कि विदेश जाने वालों में से कितने लोग वापस भारत नहीं लौटे। जांच में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि सम्यक बौधी ने कई बांग्लादेशी नागरिकों को भारतीय साबित करने के लिए 'दो साल से जानने' का फर्जी शपथ पत्र दिया था।

अब एसटीएफ यह कड़ियां जोड़ रही है कि रियाल और सम्यक का नेटवर्क पहली बार कैसे जुड़ा और बांग्लादेशियों को भारतीय पासपोर्ट दिलाने का यह मास्टरप्लान किसने तैयार किया। 70 फर्जी पासपोर्ट्स का ठिकाना कोई साधारण मकान नहीं, बल्कि डबरा, भोपाल और बैतूल के बौद्ध विहार और मठ बने हुए थे। इन संदिग्धों के फर्जी दस्तावेज (पहचान व निवास प्रमाण) किसने तैयार कराए? आधार कार्ड, मूल निवासी प्रमाण पत्र और जन्म प्रमाण पत्र जारी करने वाले अफसरों व कर्मचारियों ने नियमों को ताक पर रखकर मदद की या कोई बड़ी साठगांठ थी, इसकी जांच जारी है। केवल दस्तावेज बनाना ही नहीं, बल्कि लोकल लेवल पर हुआ पुलिस सत्यापन और पासपोर्ट शाखा के अंदर दस्तावेजों की जांच भी जांच के दायरे में है। एसटीएफ यह पता लगा रही है कि फाइल क्लियर कराने के लिए विभाग के किस-किस स्तर पर मदद ली गई थी। बैंक खातों के स्टेटमेंट और पासपोर्ट ऑफिस से मिलने वाले ट्रेवल रिकॉर्ड के मिलते ही एसटीएफ इस नेटवर्क से जुड़े अन्य मददगारों और फर्जी दस्तावेज तैयार कराने वाले सरकारी अमले पर भी बड़ा एक्शन ले सकती है।



विद्युत जामवाल ने स्ट्रगल की परिभाषा पर उठाया सवाल

स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे अभिनेता विद्युत जामवाल ने ओटीटी के आने से कलाकारों की बदली जिंदगी और इंडस्ट्री में स्ट्रगल को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने बताया कि उनकी नजर में असली संघर्ष क्या है और स्टार बनने के बाद कलाकारों की जिम्मेदारी क्या होनी चाहिए।

बाहर से आने वालों पर क्या बोले एक्टर

विद्युत के मुताबिक इंडस्ट्री में कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। वह कहते हैं, 'अगर लोगों को लगता है कि सीधा मिल जाता है, तो सीधा कुछ भी नहीं मिलता। इसका मतलब ये है कि अगर आपको स्विमिंग सीखनी है तो गीला होना पड़ेगा। जब मैं लोगों को सुनता हूं कि मैंने खाना नहीं खाया था, एक्टिंग में ये किया, तीन दिन भूखा रहा, ऑडिशन दिए, तो मुझे लगता है कि ये तो प्रोसेस है। इससे क्या होता है कि आपने खाना नहीं खाया? अगर आप बाहर से आए हैं तो थोड़ी बहुत दुविधाएं होंगी।'

स्टार बनने के बाद यह करेंगे विद्युत

स्ट्रगल को लेकर विद्युत कहते हैं, 'लेकिन जब आप स्टार बन जाएंगे तो क्या आप उन लोगों की मदद करेंगे जो नए आए हैं? सबसे अहम सवाल यही है। क्या आप उनकी जर्नी आसान करेंगे? मैं इंटरव्यू में सुनता हूं कि मैं तीन दिन यहां रहा, मैंने ये किया, लोकल ट्रेन से ट्रैवल किया। यह नॉर्मल है। ये तो बहुत नॉर्मल चीज है, जिसे लोग स्ट्रगल कहते हैं। मेरी नजर में ये रियल स्ट्रगल नहीं है।'

ओटीटी ने बदली कलाकारों की किस्मत

ओटीटी के आने से कलाकारों की बदली स्थिति का जिक्र करते हुए विद्युत कहते हैं, 'मुझे मुंबई आए जितना समय हुआ है, मैं जितने नेशनल स्कूल और ड्रामा के एक्टर्स को जानता था, जो बेरोजगारी के आलम से गुजर रहे थे, आज वो काफी जाने-पहचाने एक्टर्स हो गए हैं। ओटीटी में जिनको मौका नहीं दिया जा रहा था, ओटीटी ने उनको बहुत चांसेज दिए। हर एक्टर जिसने एक्टिंग में महारत हासिल की है या एजुकेशन ली है, उसे काम जरूर मिलना चाहिए।'



आठ साल छोटी इशिता की मां का रोल निभाने पर बोलीं श्रिया

अभिनेत्री श्रिया सरन इन दिनों 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' की सफलता से खुश हैं। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अभिनेत्री ने नंदिनी सलगांवकर का किरदार निभाया है। 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की शुरुआत से ही श्रिया, इशिता दत्ता की मां के रोल में नजर आई हैं, जो उनसे 8 साल छोटी हैं। इशिता ने अंजू सलगांवकर का किरदार निभाया है। इस फिल्म का तीसरा पार्ट अभी सिनेमाघरों में चल रहा है। श्रिया ने इशिता की मां का रोल निभाने के बारे में बात की है।

उम्र पर क्या बोलीं श्रिया

बातचीत में श्रिया ने 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में इशिता की मां का रोल निभाने पर अपने विचार रखे। श्रिया सरन की उम्र 44 साल है। वहीं इशिता की उम्र 36 साल है। अभिनेत्री ने कहा, 'हां, मतलब, यह बात अजीब लगती है। मैंने इस बारे में सोचा भी था। मुझे लगा कि यह कैसे मेल खाता है? मगर कहानी इतनी असरदार है कि आप इन सब चीजों के बारे में सोचते ही नहीं हैं।'

श्रिया ने क्यों की मेकर्स की तारीफ

अभिनेत्री ने माना कि फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर एक ही तरह के रोल में बांध दिया जाता है। हालांकि, उन्होंने 'दृश्यम' के मेकर्स की तारीफ की कि उन्होंने उम्र के अंतर को सही ढंग से दिखाया है। श्रिया ने बताया कि फ्रेंचाइजी में इशिता का किरदार 'अंजू' एक गोद ली हुई बच्ची का है। फिल्म में इस बात को बहुत खूबसूरती से दिखाया गया है। बातचीत के दौरान उन्होंने इशिता के साथ काम करने और उनके साथ अपने निजी रिश्ते में आए बदलाव के बारे में भी बात की।

इशिता के बारे में श्रेया ने क्या कहा

उन्होंने कहा, 'जब हमने 'दृश्यम' पर काम शुरू किया, तो हम दोनों सचमुच बच्चे ही थे! जब तक हमने 'दृश्यम 2' की शूटिंग की, तब तक उसकी शादी हो चुकी थी। मुझे याद है कि हम जिंदगी के बारे में बातें करते थे। तीसरी फिल्म तक, हम बच्चों के बारे में बातें कर रहे थे।' उन्होंने अपनी को-स्टार को एक 'बेहतरीन मां' भी बताया।

सलमान ने ली 'आई एम गेम' के फ्लॉप होने की जिम्मेदारी

दुलकर सलमान की फिल्म 'आई एम गेम' को बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। 3 सितंबर को रिलीज हुई इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं लेकिन इसका प्रदर्शन कमजोर रहा। अब दुलकर ने सार्वजनिक तौर पर प्रतिक्रिया दी है और बतौर प्रोड्यूसर इसकी जिम्मेदारी स्वीकार की है। दुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दर्शकों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि वह इस बात की सराहना करते हैं कि लोगों ने फिल्म को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने आलोचनाओं को भी स्वीकार किया। साथ ही यह भी कहा कि वह लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं।



बिग बॉस 20 में होगी जतिन प्रताप सिंह की वाइल्ड कार्ड एंट्री

'बिग बॉस 20' को शुरू हुए एक महीने से ज्यादा का समय हो गया है और सलमान खान होस्टेड इस शो में हर दिन कुछ न कुछ नया देखने को मिल रहा है। बीते हफ्ते रियलिटी शो में दो नई वाइल्ड कार्ड एंट्री देखने को मिली। सबसे पहले टीवी अभिनेता मनीष गोयल ने एंट्री ली। फिर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और 'मिट्ठू डॉन' के नाम से मशहूर नकुल धूल शो का हिस्सा बने। अब सोशल मीडिया पर एक और नाम चर्चा में बना हुआ है, जो जतिन प्रताप सिंह का है। ऐसा माना जा रहा है कि वह 'बिग बॉस 20' में बतौर वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट बनकर तीसरी एंट्री ले सकते हैं। अब इसकी सच्चाई क्या है और जतिन प्रताप कौन है, आइए जानते हैं उनके बारे में।

सोशल मीडिया पर जतिन प्रताप सिंहकी पहचान एक ट्रैवल और लाइफस्टाइल क्रिएटर के रूप में है। वह अपने कंटेंट में विदेशी जगहों, लग्जरी होटलों, फैशन और शानदार लाइफस्टाइल से जुड़ी चीजें के बारे में दिखाते हैं। जतिन के इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वहीं, उनके यूट्यूब चैनल पर एक लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं। जतिन हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में कंटेंट बनाते हैं। उनके वीडियो में अलग-अलग देशों की खूबसूरत जगहें, महंगे होटल और खास ट्रैवल एक्सपीरियंस देखने को मिलते हैं। उनका कंटेंट उन लोगों को पसंद आता है, जिन्हें घूमना-फिरना और नई जगहों के बारे में जानना अच्छा लगता है।



जयदीप अहलावत अब नहीं करना चाहते ऐसा रोल

शाहरुख के साथ आएंगे नजर

अभिनेता जयदीप अहलावत अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। अब अभिनेता को उम्मीद है कि 'दृश्यम 3' की सफलता उनके करियर में अच्छे बदलाव लेकर आएगी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वह आगे किस तरह के किरदार निभाना चाहते हैं।

ब्लॉकबस्टर सफलता से करियर में क्या बदलाव चाहते हैं जयदीप?

बातचीत के दौरान जयदीप अहलावत से पूछा गया कि किसी फिल्म के ब्लॉकबस्टर होने से एक अभिनेता के करियर पर क्या असर पड़ता है। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें अभी नहीं पता कि इससे उनके करियर में क्या बदलाव आएगा, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ये बदलाव अच्छे होंगे। अभिनेता ने कहा, 'ब्लॉकबस्टर सफलता से मेरा करियर किस तरह बदलेगा, मुझे नहीं पता। लेकिन जो भी बदलाव होगा, उम्मीद है कि वह अच्छा होगा। मैं चाहता हूं कि मुझे अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों के ऑफर मिलें। मैं यह नहीं चाहता कि मुझसे बार-बार पुलिसवाले का किरदार निभाने के लिए कहा जाए।'

शाहरुख के साथ आएंगे नजर

जयदीप अहलावत ने बातचीत के दौरान अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बताया। उन्होंने खुलासा किया कि वह इस साल शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे। इसके अलावा फिलहाल उनकी किसी दूसरी फिल्म की रिलीज तय नहीं है। अभिनेता ने कहा, 'किंग' इस साल शाहरुख खान सर के साथ रिलीज हो रही है। इसके अलावा मेरी कोई और फिल्म रिलीज नहीं हो रही है।'



इमरान खान की कमबैक फिल्म सीधे ओटीटी पर होगी स्ट्रीम

बॉलीवुड एक्टर इमरान खान जहां एक ओर मुंबई में सीजेपी प्रदर्शन के दौरान शनिवार को हिरासत में लिए जाने के कारण चर्चा में हैं, वहीं उनकी कमबैक फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' की रिलीज डेट भी आ गई है। 'कट्टी बट्टी' की रिलीज के 11 साल बाद लीड रोल में लौट रहे 43 साल के इमरान की यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है। खास बात यह है कि फिल्म सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी। इमरान खान लंबे समय से फिल्मी दुनिया से दूर रहे। निजी जीवन में तलाक से गुजरने के बाद वह 'अधूरे हम अधूरे तुम' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में भूमि पेडनेकर और गुरफतेह पीरजादा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

दिसंबर में रिलीज होगी इमरान की 'अधूरे हम अधूरे तुम'

इमरान खान ने बातचीत में बताया कि उनकी आने वाली फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' को दिसंबर 2026 को रिलीज करने की योजना है। अब वह एक मेच्योर रोमांटिक कॉमेडी के जरिए वापसी कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन दानिश असलम ने किया है और इमरान इसे अपनी जिंदगी के अनुभवों से जूड़ा एक खास प्रोजेक्ट मानते हैं।

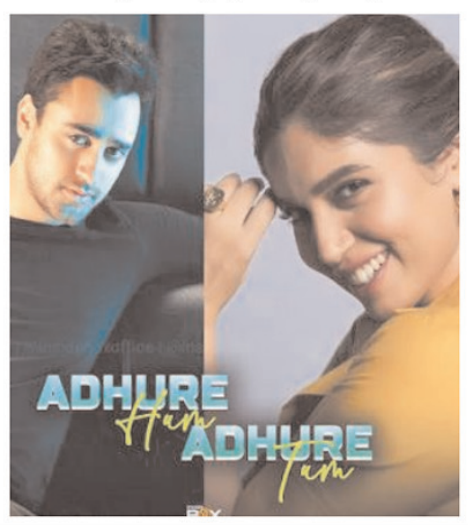
बातचीत में इमरान खान ने अपनी वापसी वाली फिल्म की रिलीज को लेकर जानकारी साझा करते हुए बताया कि मेकर्स इसे 18 दिसंबर को रिलीज करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल टीम पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा करने में जुटी है, ताकि तय समय पर फिल्म नेटफ्लिक्स को सौंपी जा सके। इमरान ने यह भी कहा कि चूंकि फिल्म सिनेमाघरों के बजाय ओटीटी पर रिलीज होगी, इसलिए उनके लिए रिलीज डेट से ज्यादा अहम बात यह है कि फिल्म आखिरकार दर्शकों तक पहुंचने वाली है। लंबे समय से फिल्मों से दूर रहे एक्टर के लिए यह वापसी खास मायने रखती है।

2015 के बाद लीड रोल में लौटेंगे इमरान खान

इमरान खान आखिरी बार 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'कट्टी बट्टी' में लीड रोल में नजर आए थे। इसके बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली जिससे उनके फैंस उनकी वापसी का इंतजार करते रहे थे। हालांकि, इस साल की शुरुआत में वह वीर दास की फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में कैमियो करते दिखाई दिए थे। अब 'अधूरे हम अधूरे तुम' के जरिए वह एक बार फिर लीड रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म को लेकर उनकी वापसी की चर्चा तेज है क्योंकि यह उनके करियर के एक नए दौर की शुरुआत मानी जा रही है। भूमि पेडनेकर और गुरफतेह पीरजादा भी आएंगे नजर 'अधूरे हम अधूरे तुम' में इमरान खान के साथ भूमि पेडनेकर और गुरफतेह पीरजादा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का डायरेक्शन दानिश असलम ने किया है, जिनके साथ इमरान पहले भी काम कर चुके हैं। इमरान ने इस फिल्म को एक मैच्योर रोमांटिक कॉमेडी बताया था। उनके मुताबिक, इसकी कहानी उनकी मौजूदा उम्र और जिंदगी के अनुभवों के हिसाब से काफी मैच होती है।

'ब्रेक के बाद' से जुड़ा है फिल्म का टाइटल

इमरान ने एक बातचीत में बताया कि 'अधूरे हम अधूरे तुम' का टाइटल उनकी फिल्म 'ब्रेक के बाद' के एक गाने से लिया गया है। हालांकि, यह फिल्म 'ब्रेक के बाद' का सीक्वल नहीं है, लेकिन इमरान इसे उसका स्पिरिचुअल सक्सेसर मानते हैं। फिल्म में उनकी पिछली रोमांटिक कहानी की झलक भी देखने को मिल सकती है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म शादी, अलगाव और रिश्तों की जटिलताओं जैसे टॉपिक के इर्द-गिर्द है। यही वजह है कि यह इमरान के लिए महज एक फिल्म नहीं, बल्कि निजी अनुभवों से जुड़ा प्रोजेक्ट भी है। इमरान खान ने बताया कि उनके मन में लंबे समय से फिल्म बनाने की इच्छा थी और कुछ ऐसे विषय थे, जिन्हें वह पर्दे पर दिखाना चाहते थे। दानिश असलम के काम करने के तरीके से परिचित होने के कारण उन्होंने उनसे संपर्क किया और साथ में एक प्रोजेक्ट बनाने का विचार रखा। दानिश के पास भी एक स्टोरी रेडी थी, जिस पर वह करीब एक दशक से काम कर रहे थे। इमरान को यह स्टोरी पसंद आई और दोनों ने मिलकर इस पर फिल्म बनाने का फैसला किया। इस तरह 'अधूरे हम अधूरे तुम' की शुरुआत हुई।



कलेक्टर ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित

एआई प्रोजेक्ट और मॉडल का अवलोकन कर प्रतिभागियों को बांटे सर्टिफिकेट

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भिण्ड में गत दिवस कलेक्टर भिण्ड के मुख्य आतिथ्य में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यशाला का द्वितीय दिवस 13 अक्टूबर 2026 को संपन्न हुआ। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा संस्था परिसर में एक पेड़ माँ के नाम लगाया गया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा, नवाचार एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के व्यावहारिक उपयोग के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए मजबूत बुनियादी ज्ञान आवश्यक है। डिप्लोमा शिक्षा, स्कूली शिक्षा और इंजीनियरिंग के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो विद्यार्थियों को व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्रदान करती है। उन्होंने जोर दिया कि वर्तमान समय में केवल ज्ञान प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान का उपयोग समस्याओं के समाधान और नवाचार के लिए करना अधिक महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को रोबोटिक्स, ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नए तकनीकी प्रोजेक्ट एवं आधुनिक कंप्यूटर तकनीकों को सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।



उन्होंने कहा कि भविष्य में एआई और रोबोटिक्स के विकास से मशीनों और मनुष्यों के कार्यों के बीच का अंतर लगातार कम होता जा रहा है। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम तक सीमित न रहते हुए निरंतर सीखने, अपनी जिज्ञासाओं को बढ़ाने तथा बुनियादी नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने महाविद्यालय में वार्षिक विज्ञान मेले के आयोजन, रोबोटिक्स आधारित प्रोजेक्ट तैयार करने तथा नए प्रकार के तकनीकी मॉडल विकसित करने पर बल दिया। इसके साथ ही उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को निर्माण क्षेत्र में नए एवं आधुनिक निर्माण सामग्री के उपयोग और उन पर प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा कार्यशाला में प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, प्रमाण-पत्र तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सह-समन्वयकों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। द्वितीय दिवस आधुनिक प्रौद्योगिकी, कौशल विकास एवं कैरियर मार्गदर्शन पर विशेषज्ञों ने किया, मार्गदर्शन द्वितीय दिवस में डॉ विनोद त्रिपाठी प्राचार्य कुसुम बाई कन्या महाविद्यालय भिण्ड, मैनेजिंग डायरेक्टर सीवी टेक इन्फ्रास्ट्रक्चर कंसलटेंट ग्वालियर, श्री मति चेष्ठा जैन लीड ट्रेनर जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी भिण्ड, श्री मोहित दुबे टी.पी.ओ पी एम श्री स्नाकोत्तर महाविद्यालय (एम.जे.एस.) भिण्ड, श्री उपेन्द्र शर्मा जिला रोजगार अधिकारी भिण्ड द्वारा आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, वर्तमान औद्योगिक परिदृश्य में आवश्यक तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल, उद्योग की अपेक्षाओं तथा कौशल उन्नयन, रोजगार, स्वरोजगार के लिए विद्यार्थियों द्वारा की जाने वाली आवश्यक तैयारियों के संबंध में विषय विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की एवं बदलती तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने हेतु प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों द्वारा प्रोजेक्ट और मॉडल का अवलोकन कर छात्र-छात्राओं की सराहना करते हुए आवश्यक सुझाव दिये गये। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रुपल पुरोहित ने किया। कार्यक्रम में संस्था प्राचार्य श्री बीडी पुरोहित सहित समस्त अधिकारी-कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

औषधि निरीक्षक डॉ आकांक्षा ने किया मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



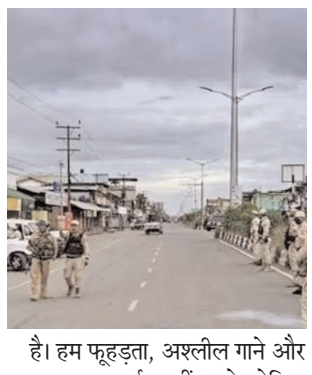
नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन भोपाल, कलेक्टर भिण्ड एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भिण्ड के निर्देशानुसार औषधि निरीक्षक डॉ आकांक्षा गरुड़ द्वारा भिण्ड स्थित दीप मेडिकल स्टोर, बालाजी मेडिकल स्टोर, न्यू भगवान मेडिकल स्टोर, न्यू कृष्णा मेडिकल स्टोर, अजय मेडिकल स्टोर, राघव मेडिकल स्टोर, दीपक मेडिकोस, एवं न्यू स्मार्ट मेडिकल स्टोर, तथा अटेर रोड क्षेत्र में स्थित शालिनी मेडिकल एजेंसी, बांके बिहारी मेडिकल स्टोर, गिर्राज जी मेडिकल स्टोर, ओम शिव मेडिकल स्टोर, शालिनी मेडिकल स्टोर, अनाया मेडिकल स्टोर, दीपक मेडिकल स्टोर, सहित दर्जन भर मेडिकल स्टोरों की सघन जाँच कर लाइसेंस चेक किए गये एवं फार्मासिस्ट की जानकारी ली गयी। निरीक्षण के दौरान अजय मेडिकल स्टोर एवं राघव मेडिकल स्टोर पर रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट नहीं उपस्थित पाए गए, जिस सम्बन्ध में उनको नोटिस जारी किया गया एवं न्यू कृष्णा मेडिकल स्टोर दुकान को दवाओं की खरीदी बिक्री की जानकारी तीन दिवस के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। समयावधि में जानकारी नहीं प्रस्तुत करने पर नियमानुसार आगामी कार्यवाही सुनिश्चित की जावेगी। साथ ही सौरभ ट्रेडर्स एवं स्वागत ट्रेडर्स भिण्ड के लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। इन फर्मों से किसी भी प्रकार का औषधियों का क्रय विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित होगा। उक्त निरीक्षण का उद्देश्य मेडिकल स्टोरों के भौतिक सत्यापन कर उचित स्थान पर लाइसेंस का प्रदर्शन, दुकानों पर फार्मेसिस्ट की उपलब्धता, दुकानों की साफ सफाई, एक्सपाइरी दवाओं के लिए उचित व्यवस्था, स्टॉक रजिस्टर, फ्रिज में संधारित की जाने वाली औषधियों का रख रखाव, बिना पंजीकृत चिकित्सक के पर्चे के शेड्यूल औषधियों का विक्रय नहीं किए जाने एवं औषधियों के क्रय विक्रय अभिलेख का संधारण नियमानुसार रखने संबंधी दिशा निर्देश दिए। कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी जिसके लिए सम्बंधित फर्म स्वयं जिम्मेदार होंगी।

जबलपुर पुलिस प्रशासन की घोर लापरवाही-धार्मिक स्थलों की सुरक्षा पर सवाल



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

नवरात्रि के पावन पर्व पर शहर के मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों में पुलिस प्रशासन की घोर लापरवाही सामने आ रही है। जय महाकाल संघ, अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कन्हैया रामकृष्ण तिवारी जी ने बताया कि जबलपुर कैंट क्षेत्र स्थित सदर काली माई सिद्धपीठ मंदिर में विगत कई वर्षों से नवरात्रि के 9 दिनों में बड़ी संख्या में अज्ञात महिलाएं और बच्चे जमावड़ा लगाए रहते हैं, जिनका न कोई आधार कार्ड, न फोटो और न ही नाम-पता पुलिस-प्रशासन के पास है। इस संबंध में शांति समिति की बैठक में कई बार पुलिस प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन प्रशासन का ध्यान केवल वाहन चेकिंग और छ्ठ्ठ जब्त करने पर ही लगा है। दूसरी ओर, दुर्गा उत्सव समितियों को नियमों के नाम पर एक-दो बार चेतावनी देने के बजाय भारी-भरकम दबाव और प्रताड़ना दी जा रही है, जिससे समितियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। समितियां कह रही हैं कि पहले ही वर्ष में इतनी कड़ाई से धार्मिक वातावरण प्रभावित हो रहा



है। हम फूहड़ता, अश्लील गाने और नृत्य का समर्थन नहीं करते, लेकिन इस तरह का एकतरफा दबाव हिन्दू समाज पर समझ से परे है। श्री तिवारी ने कहा कि अक्सर इसी तरह के अज्ञात तत्वों द्वारा ही चैन स्नेचिंग, लूट और चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जाता है, और पीड़ित जब शिकायत लेकर थाने जाता है तो पुलिस प्रकरण दर्ज करने के बजाय हीला-हवाली कर डांट-फटकार कर भगा देती है। प्रशासन ऐसे अज्ञात लोगों की सूची, आधार कार्ड और फोटो अनिवार्य रूप से अपने पास रखे, ताकि अपराधियों पर लगाम लगाई जा सके। साथ ही नवरात्रि में मंदिरों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण में की सहभागिता मातृत्व स्वास्थ्य, पोषण-नशामुक्ति का दिया संदेश

श्योपुर ! सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल ने कहा कि बालिका शिक्षा विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, बालिका शिक्षा को सामाजिक सरोकार से जोडते हुए समाज में परिवर्तन लाने के लिए कई दिशाओं में कार्य करने की आवश्यकता है। इनमें मातृत्व स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा भी एक महत्वपूर्ण अंग है, जिसमें सभी की सहभागिता जरूरी है। वे आज महात्मा गांधी सेवा आश्रम में बालिका शिक्षा के अंतर्गत चल रहे गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल ने कहा कि नशे के प्रति जागरूकता बहुत जरूरी है, युवा पीढी से ही देश का भविष्य बनता है। शासन द्वारा नशे से दूरी है जरूरी अभियान चलाकर जन जागरूकता की पहल की गई है। न केवल मादक पदार्थ बल्कि गुटखा, पुडिया का अत्यधिक प्रयोग लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। इसके विरूद्ध जिला प्रशासन द्वारा एक वृहद अभियान चलाया जा रहा है उसमें सभी की सहभागिता इसे गति प्रदान करने में सहायक होगी। उन्होंने बालिका शिक्षा के इस महती कार्यक्रम के लिए सभी शिक्षकों, असिस्टेंट प्रोग्राम मेनेजर श्री मौसम की प्रशंसा की तथा अपनी ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

जिला स्तरी युवा उत्सव वर्ष 2027 के सहभागिता हेतु निःशुल्क रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ 19 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 के मध्य कर सकते हैं रजिस्ट्रेशन

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 1995 से निरन्तर दिनांक 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवा एकीकरण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा युवाओं को उनके सुझाव एवं प्रतिभा को मंच प्रदान करना है। वर्ष 1995 से निरन्तर विभाग द्वारा भी जिला, संभाग एवं राज्य स्तर युवा उत्सव के अन्तर्गत सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष युवा शक्ति से जन भागीदारी के उद्देश्य से नई दिल्ली में 15 से 29 आयु वर्ग (17 अगस्त 2026 की स्थिति में) के युवाओं हेतु राष्ट्रीय युवा उत्सव- 2027 का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष सांस्कृतिक ट्रेक में कुल 05 विद्या-समूह लोकनृत्य, समूह लोकगायन, पेटिंग, कविता लेखन एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत थीम पर किया जाना है। युवा उत्सव 2027 का आयोजन जिला स्तर पर किया जाना है, जिसमें जिले के विजेता युवा/दल संभाग पर प्रतिभागिता करेंगे तथा संभाग के प्रथम एवं1द्वितीय स्थान प्राप्त युवा/दल राज्य स्तर पर प्रतिभागिता करेंगे। भारत सरकार से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार प्रत्येक विद्या में निम्न संख्या में युवा प्रतिभागिता करेंगे। जिला स्तर के विजेता युवा/दलों का पंजीयन करना अनिवार्य है। पंजीयन न होने की स्थिति में दल को प्रतिभागिता करने का अवसर प्राप्त नहीं हो सकेगा। भारत सरकार से प्राप्त निर्देशानुसार गत् वर्ष युवा उत्सव के अन्तर्गत सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रतिभागिता कर चुके युवा इस वर्ष युवा उत्सव के अन्तर्गत प्रतिभागिता नहीं कर सकते है। गत् वर्ष का कोई भी युवा इस सांस्कृतिक गतिविधि में प्रतिभागिता न करें। जिला स्तरीय युवा उत्सव में सहभागिता हेतु युवाओं को माय भारत पोर्टल पर पंजीयन के साथ-साथ पृथक से फॉर्म भी संलग्न कर पंजीयन रसीद, युवाओं को जन्मतिथि व अन्य पुष्टि हेतु मूल आधार कार्ड, जन्म प्रमाण-पत्र/10वीं कक्षा की अंकसूची की छायाप्रति सलग्न करना अनिवार्य है एवं आयोजन स्थल पर मूल दस्तावेज साथ में लाना अनिवार्य है। पंजीयन न होने की स्थिति में युवा प्रतिभागिता नहीं कर पाएगा। अतः जिले के युवाऐं जिनकी आयु 15 से 29 आयु वर्ग (17 अगस्त 2026 की स्थिति में) और जो 05 विद्या-समूह लोकनृत्य, समूह लोकगायन, पेटिंग, कविता लेखन एवं नुक्कड़ नाटक में रूचि रखते हों से अनुरोध है कृपया वे अधिक से अधिक संख्या में जिला स्तरीय युवा उत्सव में अपनी सहभागिता दर्ज कराने हेतु माय भारत पोर्टल पर ऑनलाईन एवं ऑफ लाईन रजिस्ट्रेशन करना सुनिश्चित करें एवं जिला स्तरीय युवा उत्सव में रजिस्ट्रेशन के लिए जानकारी हेतु जिला कार्यालय खेल और युवा कल्याण विभाग पुलिस लाईन भिण्ड से सम्पर्क कर सकते हैं। ब्लॉक स्तर पर विभागीय संविदा ग्रामीण युवा समन्वयकों से सम्पर्क कर सकते हैं।

बालिकाओं को साइबर सुरक्षा व अधिकारों की दी गई जानकारी, बालविवाह उन्मूलन पर जोर

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर केंद्रीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, साइबर सुरक्षा और बाल विवाह उन्मूलन के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम कलेक्टर भिण्ड के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री महेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित हुआ। बाल संरक्षण अधिकारी अजय सक्सेना ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्ष 2026 की थीम 'एंडिंग चाइल्ड मैरिज एंड इन्वेस्टमेंट इन गर्ल चाइल्ड' है, जिसका उद्देश्य बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त कर बालिकाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य पर निवेश करना है। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 19 दिसंबर 2011 को 11 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस घोषित किया था। कार्यक्रम में बालिकाओं को बताया गया कि किसी भी अनुचित घटना को छिपाने के बजाय तत्काल माता-पिता या शिक्षक को बताएं। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस 112 एवं साइबर हेल्पलाइन की जानकारी दी गई। विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया गया।

अवशेष प्रबंधन पर जिला स्तरीय किसान मेला आयोजित 150 किसानों को बीज का वितरण

एक सत बुलेटिन, श्योपुर

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में फसल अवशेष प्रबंधन पर जिला स्तरीय किसान मेले का आयोजन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी के मुख्य आतिथ्य में निषादराज भवन में आयोजित उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम श्री गगन सिंह मीणा द्वारा की गई। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री नीरज जाट, जिला पंचायत सदस्य एवं अध्यक्ष कृषि स्थाई समिति श्री गिरधारी लाल बैरवा, भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष श्री नरेन्द्र चौधरी, भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री गौरीशंकर मीणा, भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री मोनू सोनी, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष श्री संजय मंगल, भाजपा जिला मंत्री श्री भीमराज सुमन, श्री इन्द्रजीत गुर्जर, युवा संयोजक भारतीय किसान संघ श्री जितेन्द्र मीणा, श्री जयदीप तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा बडी संख्या में किसान बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मों सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। कृषि यंत्रों की संहायता से किये जाने तथा जमीन की उर्वरा शक्ति को कायम रखते हुये उच्च गुणवत्ता का अनाज उत्पन्न करने की सलाह प्रदान की गई।

गढ़ा रामलीला में दशरथ मरण, भरत आगमन एवं चित्रकूट प्रसंग का भावपूर्ण मंचन; दर्शकों की आंखें हुई नम

हा राम... कहते-कहते दशरथ ने त्यागे प्राण, भरत ने राज सिंहासन ठुकराकर दिखाई भ्रातृभक्ति

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

श्री रामलीला समिति गढ़ा जबालीपुरम के सिद्ध मंच पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की मानव लीला के अंतर्गत महाराज दशरथ मरण, भरत आगमन एवं चित्रकूट प्रसंग का भावपूर्ण मंचन किया गया। पिता-पुत्र के असीम प्रेम, भ्रातृभक्ति और त्याग से ओतप्रोत इन प्रसंगों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम की आरती एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। समिति संचालक पंडित अशोक मनोध्याय, अध्यक्ष एवं निर्देशक राजेश मिश्रा, महामंत्री एडवोकेट अरुण दीक्षित सहित सीताराम दुबे, मथुरा प्रसाद जैन 'उत्साही', श्रीमती नूतन जैन, गुड्डु त्रिपाठी, विकास गौतम, ठाकुर मनोज सिंह, प्रमोद तिवारी, लाखन सिंह, राकेश पाठक, लोकराम कोरी, विजय नेमा, कैलाश नेमा, पंकज अवस्थी, अशोक बघेल 'दादा भाई' एवं मदन गोपाल पटेल ने भगवान का माल्यार्पण कर भोग अर्पित किया तथा आरती की। सिद्ध मंच पर रामलीला समिति के स्थायी सदस्य सीताराम दुबे का किया गया सम्मान सिद्ध मंच पर विगत 60 वर्षों से रामलीला परिवार में सेवाएं देने वाले स्थायी सदस्य श्री सीताराम दुबे को समिति संचालक



पंडित अशोक मनोध्याय ,अध्यक्ष एवं मंत्री ने उनके द्वारा दिए गये विशेष योगदान के लिये शाल श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया मंचन के दौरान सुमंत्र द्वारा महाराज दशरथ को यह समाचार सुनाया गया कि अनेक प्रयासों के बावजूद श्रीराम, लक्ष्मण और सीता वन से वापस नहीं लौटे हैं। यह सुनते ही पुत्र वियोग में व्याकुल महाराज दशरथ ने 'राम... राम... हा राम!' पुकारते हुए अपने प्राण त्याग दिए। इस हृदयविदारक दृश्य ने दर्शकों को भावुक कर दिया और रामलीला मैदान में शोक का वातावरण छा गया।दूसरी ओर, महर्षि वाल्मीकि के बताए मार्ग के अनुसार भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण चित्रकूट में निवास करने लगे। ननिहाल से लौटे भरत को जब श्रीराम के वनगमन और महाराज दशरथ के निधन का समाचार मिला, तो वे अत्यंत व्यथित हो उठे। गुरु वशिष्ठ द्वारा अयोध्या के राजसिंहासन पर बैठने का आग्रह किए जाने पर भरत ने राज्य स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उनकी यह भावना कि 'देखे बिन रघुनाथ पद, जिय की जरन न जाए' उनके अनन्य भ्रातृप्रेम और त्याग का सजीव उदाहरण बनी। भरत अपनी माताओं, गुरुजनों और अयोध्या की प्रजा के साथ भगवान श्रीराम को वापस लाने के लिए चित्रकूट पहुंचे। भरत के चरित्र के माध्यम से मंच पर यह संदेश दिया गया कि सत्ता और राजसुख से कहीं बढ़कर प्रेम, मर्यादा और कर्तव्य होते हैं। इसके उपरांत जयंत तथा महर्षि अत्रि-अनसुईया के प्रसंगों का रोचक मंचन किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए।

राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के 16 नवनियुक्त अधिकारियों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता से कार्य करें अधिकारी: चौहान

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार अनुसूचित जाति वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। नवनियुक्त अधिकारी शासन की जनहितैषी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें। उन्हें शिक्षा, कौशल उन्नयन, रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएँ, जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। मंत्री श्री चौहान, मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के राजीव गांधी सभागार में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री चौहान ने चयनित अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवा केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि जनसेवा का पुनीत दायित्व है। सभी अधिकारी अपने पदीय कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ करें। निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर ने नवनियुक्त अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सेवा-भाव और उत्तरदायित्व के साथ सभी दायित्वों का संपादन करें। योजनाओं की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब उनका सीधा लाभ लक्षित वर्ग तक समय-सीमा में पहुँचे। अनुसूचित जाति कल्याण आयुक्त श्री सत्येन्द्र सिंह ने विभागीय प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि अधिकारी मैदानी स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, हितग्राहियों की समस्याओं के समयबद्ध निराकरण और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करें। उन्होंने नवनियुक्त अधिकारियों से विभागीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्रिय योगदान देने का आह्वान भी किया। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा आयोजित संयुक्त भर्ती परीक्षा के माध्यम से मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम में 8 सहायक कार्यपालन अधिकारी और 8 क्षेत्राधिकारी सहित कुल 16 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जिन्हें विधिवत नियुक्ति पत्र सौंपे गए।इस अवसर पर अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के अधिकारी, एवं चयनित अभ्यर्थियों के अभिभावक उपस्थित रहे।

निगम अमले ने न्यू मार्केट में की मॉकड्रिल, सीमा निर्धारण के दृष्टिगत की गई मॉकड्रिल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



नगर पालिक निगम द्वारा राजधानी के व्यस्ततम बाजार क्षेत्र न्यू मार्केट में नागरिकों के सुगम आवागमन के साथ ही अग्नि सुरक्षा आदि को बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में गत दिवस निगम अधिकारियों एवं न्यू मार्केट व्यापारी संघ के पदाधिकारियों के बीच आपसी सहमति से लिये गये निर्णय को मूर्तरूप देते हुए निगम के फायर ब्रिगेड व अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने संयुक्त रूप से न्यू मार्केट क्षेत्र में मॉकड्रिल किया और व्यवसायियों को अग्नि सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी तथा आवागमन में बाधक अतिक्रमणों को भी हटाने की कार्यवाही की एवं घरेलू गैस सिलेंडर भी जप्त किया। नगर निगम द्वारा न्यू मार्केट में प्रतिदिन नियमित रूप से माकड्रिल की जाएगी। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश एवं अपर आयुक्त श्री तन्मय वशिष्ट शर्मा के आदेश पर उपायुक्त श्री भुवन गुप्ता के निर्देशन में निगम के फायर ब्रिगेड शाखा एवं अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने बुधवार को न्यू मार्केट के आंतरिक क्षेत्रों में फायर वाहन के निर्बाध रूप से आवागमन सुनिश्चित करने व रेहड़ी हाकर्स को टी.टी.नगर स्टेडियम के पास स्थित हाट बाजार में विस्थापित करने, दुकानों की सीमारेखा निर्धारित करने के दृष्टिगत मॉकड्रिल किया। मॉकड्रिल के दौरान फायर वाहन को विभिन्न मार्गों से गुजारा और आवागमन में बाधक अतिक्रमणों को भी हटाया और दुकानदारों को अग्नि दुर्घटना से बचाव के उपाय भी बताये गये। निगम अमले ने दोपहर 03:30 से सांय 05:45 बजे तक अतिक्रमण विरोधी कार्यवाही के दौरान दुकानों, फुटपाथों पर रखा सामान तथा हाकर्स द्वारा किये गये।

क्राफ्ट बाजार में करवाचौथ और दीपावली के सजावटी उत्पाद बने आकर्षण, 22 अक्टूबर तक चलेगा बाजार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



शहर के ऐतिहासिक गौहर महल में आयोजित क्राफ्ट बाजार इन दिनों लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम की ओर से आयोजित इस मेले में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए बुनकर और शिल्पकार अपने हस्तनिर्मित उत्पादों के साथ शामिल हुए हैं। मेले में पारंपरिक कला, स्थानीय संस्कृति और आधुनिक सजावट का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। त्योहारों के मौसम को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए विशेष उत्पाद खरीदारों को आकर्षित कर रहे हैं। क्राफ्ट बाजार का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और हाथकरघा उत्पादों को प्रोत्साहित करना तथा स्थानीय शिल्पकारों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना है।

इस आयोजन के माध्यम से लोगों को प्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प परंपराओं से रूबरू होने का अवसर मिल रहा है। साथ ही, शिल्पकारों को अपने हुनर और रचनात्मकता को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने का मौका मिल रहा है। मेले में शहडोल के काष्ठ शिल्प, गरबा की विशेष पोशाकें और बुदनी की डांडिया विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। वहीं, मंदसौर और नीमच के प्रसिद्ध नंदना प्रिंट सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक उत्पाद भी लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इन उत्पादों में स्थानीय कला, पारंपरिक डिजाइन और शिल्पकारों की मेहनत की झलक दिखाई देती है। हस्तनिर्मित वस्तुओं की विविधता मेले को खास बना रही है। इस बार मेले में करवाचौथ और दीपावली को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से सजावटी वस्तुएं तैयार की गई हैं। त्योहारों पर घरों को सजाने और पूजा में उपयोग होने वाली वस्तुओं की मांग को देखते हुए शिल्पकारों ने पारंपरिक कला को नए रूप में प्रस्तुत किया है। इन उत्पादों में कलात्मकता के साथ त्योहारों की पारंपरिक झलक भी देखने को मिलती है। भोपाल की शिल्पकार हर्षिता प्रजापति ने लिप्पन आर्ट के माध्यम से करवाचौथ और दीपावली के लिए विशेष थालियां तैयार की हैं। उनकी कलाकृतियां पारंपरिक शिल्प को उत्सवी जरूरतों से जोड़ने का उदाहरण हैं।

जेल से रिहाई पर शक्ति प्रदर्शन करने वाले शाहिद इटारसी पर कार्यवाही

भोपाल। गोलीकांड के मामले में जेल में बंद शाहिद इटारसी उर्फ शाहिद अंसारी के सोमवार रात जमानत पर जेल से रिहा होने पर उसके समर्थकों द्वारा सड़क पर जमकर शक्ति प्रदर्शन किये जाने को लेकर पुलिस उसके खिलाफ कार्यवाही करने की तैयारी में है। बताया गया है कि केंद्रीय जेल के बाहर 100 से ज्यादा कारों और बाइकों के साथ समर्थक जुटे। जेल से शाहिद को लेकर गाड़ियो का हुजूम निकला, जो लालघाटी से वीआईपी रोड तक पहुंचा। रात करीब 10 बजे निकले इस जुलूस के कारण करीब रास्ते पर जाम की स्थिति बन गई थी। जानकारी के अनुसार, शाहिद कार में बैठा था। काफिला आगे बढ़ने के दौरान वह कार की छत से हाथ हिलाकर समर्थकों का अभिवादन करता रहा। पीछे समर्थकों की कारें और बाइकें चलती रहीं। इस दौरान जुलूस के वीडियो बनाए गए, जिन्हें इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया।

स्वच्छता विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत विद्यार्थियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति किया जागरूक

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल में डीआरएम श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में स्वच्छता विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से 14 अक्टूबर को इटारसी विद्युत शेड, बेसिक ट्रेनिंग सेंटर इटारसी मंडल के प्रशिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं के लिए जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में विद्यार्थियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रावधानों के अनुरूप कचरे के पृथक्करण, संग्रहण एवं उचित निस्तारण के संबंध में जानकारी दी गई। सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि कचरे को उसके प्रकार के अनुसार अलग-अलग रंगों के डस्टबिन में डालना आवश्यक है। इससे कचरे की पहचान एवं छंटाई आसान होती है तथा उसके उचित निस्तारण और पुनर्चक्रण की प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में हरे, नीले, लाल एवं काले रंग के डस्टबिन के उपयोग के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रत्येक रंग के डस्टबिन का उपयोग निर्धारित श्रेणी के कचरे के लिए किया जाना चाहिए। कचरे को शुरुआत में ही अलग-अलग रखने से मिश्रित कचरे की समस्या कम होती है और अपशिष्ट प्रबंधन की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनती है। विद्यार्थियों को स्वच्छता को अपनी दैनिक आदतों में शामिल करने, कचरे को इधर-उधर न फेंकने तथा निर्धारित डस्टबिन का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, उन्हें अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी कचरा पृथक्करण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। कचरे का स्रोत पर ही पृथक्करण, उसका उचित संग्रहण तथा वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण स्वच्छता अभियान को सफल बनाने की दिशा में आवश्यक कदम हैं। भोपाल मंडल द्वारा स्वच्छता विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से रेलकर्मियों, विद्यार्थियों एवं आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने और स्वच्छ भारत के लक्ष्य में सहभागी बनने के लिए निरंतर प्रेरित किया जा रहा है।

जिला विपणन अधिकारी बब्बन के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित



भोपाल। संभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा द्वारा तत्कालीन जिला विपणन अधिकारी राजगढ़ बब्बन मौर्य के विरुद्ध खाद वितरण में लापरवाही, केंद्रों की मॉनीटरिंग नहीं करने, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना और शासकीय बैठकों से बिना सूचना अनुपस्थित रहने के मामलों में अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव प्रमुख सचिव सहकारिता विभाग मध्य प्रदेश शासन को भिजवाया गया है। खाद वितरण में अनियमितताओं और किसानों को यूरिया नहीं मिलने से सड़क जाम की स्थिति बनने को लेकर कलेक्टर राजगढ़ ने उनके विरुद्ध कार्रवाई का प्रस्ताव संभाग आयुक्त को भिजवाया गया था। संबंधित मामलों में जारी आरोप-पत्रों एवं आरोप-ज्ञापनों का निर्धारित समय-सीमा में जवाब नहीं देने पर प्रकरण आवश्यक कार्रवाई के लिए शासन को भेजा गया है। वर्तमान में मौर्य का स्थानांतरण जिला झाबुआ हो चुका है।

इंदौर में 28 अक्टूबर को आयोजित होगा राज्य स्तरीय अर्बन कॉन्क्लेव, अवार्ड होंगे जारी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश में समृद्ध एवं आधुनिक नगरीय अधोसंरचना के सर्वांगीण विकास, निवेश प्रोत्साहन तथा प्रदेश के शहरों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बनाने के ध्येय से आगामी 28 अक्टूबर, 2026 को इंदौर स्थित ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में राज्य स्तरीय 'अर्बन कॉन्क्लेव' का आयोजन किया जा रहा है। कॉन्क्लेव में 'अर्बन चैलेंज फंड' के अंतर्गत स्वीकृत प्रमुख नगरीय विकास परियोजनाओं की भौतिक प्रगति, सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन एवं समयबद्ध क्रियान्वयन से जुड़े दूरगामी रणनीतिक पहलुओं पर गहन विचार-मंथन किया जाएगा। यह कॉन्क्लेव प्रदेश के शहरी परिदृश्य को नई ऊँचाइयों पर ले जाने तथा नगरीय विकास की भावी दिशा तय करने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। अर्बन कॉन्क्लेव में 'अर्बन चैलेंज फंड' के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं के लिए वित्तीय संस्थानों एवं बैंकों के साथ अनुबंध किये जाएँगे तथा संबंधित एजेंसियों को 'लेटर ऑफ अवार्ड' प्रदान किए जाएँगे । बर्न चैलेंज फंड के तहत प्रदेश के विभिन्न नगरों में संचालित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की कुल स्वीकृत लागत 2,753.10 करोड़ रूपये है। इस वित्तीय नियोजन के माध्यम से इंदौर, उज्जैन और रीवा की महत्वपूर्ण विकास योजनाओं को गति दी जा रही है। इसके अंतर्गत इंदौर शहर की जलप्रदाय व्यवस्था के वितरण तंत्र के सुदृढ़ीकरण तथा सीवरेज नेटवर्क एवं उपचार संयंत्रों के व्यापक उन्नयन कार्य शामिल हैं। इसी श्रृंखला में धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगरी उज्जैन में 'एकीकृत मंदिर क्षेत्र विकास' की महत्वाकांक्षी परियोजना तथा रीवा नगर की सर्वसमावेशी जलप्रदाय योजना के कार्यों को धरातल पर उतारा जा रहा है। कॉन्क्लेव के माध्यम से प्रदेश के नगरीय निकायों में आधारभूत सुविधाओं के अभूतपूर्व विस्तार, आधुनिक शहरी अधोसंरचना के निर्माण तथा वित्तीय संसाधनों के सर्वाधिक प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग की संभावनाओं को नए आयाम दिए जा रहे हैं।

जियो मोबाइल की ऑनलाइन बुकिंग करना साध्वी को पड़ा महंगा

भोपाल। जियो मोबाइल खरीदने के लिए ऑनलाइन बुकिंग करना एक साध्वी को महंगा पड़ गया। साइबर ठगों ने मोबाइल की डिलीवरी फंसने, जीएसटी लगने और भुगतान वापस करने का झांसा देकर उनसे एक लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए। ठगी का अहसास होने पर महिला ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के मुताबिक, तुलसी नगर टीटी नगर निवासी पल्लवी जैन (48) साध्वी हैं। इन दिनों कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित मारवाड़ी श्वेतांबर जैन मंदिर में रहती हैं। उनके पास 9 जुलाई 2026 को मोबाइल खरीदने के संबंध में एक मैसेज आया था। अगले दिन उन्होंने मैसेज पढ़ने के बाद जियो मोबाइल बुक करने का प्रयास किया। इस दौरान उनसे 200 रुपए की मांग की गई, जो उन्होंने फोन पे के माध्यम से भेज दिए। इसके बाद उनके पास फोन आया कि मोबाइल की डिलीवरी अटक गई है, और इसके लिए जीएसटी देना होगा। जालसाज ने उनसे पांच हजार रुपए और ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद पैसे वापस करने का भरोसा देकर अलग-अलग बहानों से रकम मांगता रहा। महिला ने पहले मोबाइल नंबर पर कुल 40 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। महिला ने पुलिस को आगे बताया की 12 जुलाई को दूसरे मोबाइल नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने कहा कि उनके पैसे अटक गए हैं, और 40 हजार रुपए वापस पाने के लिए कुछ और रकम भेजनी होगी। उसकी बातों में आकर महिला ने किश्तों में 40 हजार रुपए और ट्रांसफर कर दिए।

नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही निगम की राजस्व वसूली भी प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जाए

निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने प्रकरणों एवं निगम के अन्य कार्यों की समीक्षा करते हुए दिए निर्देश

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन ने निगम कार्यों एवं समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया है कि नागरिक सुविधाओं को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने, आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के साथ ही संस्थागत वसूली सहित अन्य मदों में राजस्व वसूली प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जाए। निगम आयुक्त श्रीमती जैन ने वार्ड क्र. 69 में वार्ड की आई.डी. का दुरूपयोग कर सम्पत्ति के उपयोग की श्रेणी को बदलने सहित अन्य अनियमित्ता करने वाले कम्प्यूटर ऑपरेटर की सेवाएं समाप्त करने तथा तत्कालीन वार्ड प्रभारी के निलंबन की कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। निगम आयुक्त श्रीमती जैन ने सभी 21 जोनल अधिकारियों एवं उनके अंतर्गत आने वाले वार्ड प्रभारियों को सख्ती से हिदायत दी कि भविष्य में इस प्रकार की पुनर्रावृत्ति न हो। निगम आयुक्त श्रीमती जैन ने माँ दुर्गा विसर्जन, चल समारोह व दशहरा स्थलों पर की जाने वाली सभी व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने हेतु अधिकारियों की ड्यूटी लगाने, विकास कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराने तथा सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए। समीक्षा के दौरान अपर आयुक्तगण श्रीमती अंजू अरूण कुमार, श्री तन्मय वशिष्ट शर्मा, श्री अमन मिश्रा, श्री अभिषेक सिंह, श्री वरूण बडेरिया, उपायुक्त श्री भुवन गुप्ता, श्री दिनेश सिंह, श्री हीरेन्द्र सिंह कुशवाह, श्री चंचलेश गिरहारे, मुख्य अभियंता श्री संतोष गुप्ता, अधीक्षण यंत्री श्री उदित गर्ग व श्री आर.आर. जरोलिया सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन ने बुधवार को निगम मुख्यालय अटल भवन के सभाकक्ष में निगम कार्यों एवं समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान आयुक्त श्रीमती जैन ने सी.एम. हेल्प लाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण हेतु विभागवार कार्यवाही की जानकारी प्राप्त की साथ ही निगम की राजस्व वसूली, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, माँ दुर्गा उत्सव के तहत विसर्जन घाटों, चल समारोह मार्गों, दशहरा स्थलों पर की जाने वाली व्यवस्थाओं, यांत्रिक कार्यों आदि के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त श्रीमती जैन ने सी.एम. हेल्प लाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों को शीघ्रता से निराकृत करने, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन संबंधी प्रकरणों को सुलभ ढंग से निराकृत करने और पंजीयन संबंधी कार्यों में नागरिकों को किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न होने देने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्रीमती जैन ने राजस्व संबंधी कार्यों की समीक्षा करते हुए संस्थागत वसूली सहित अन्य मदों में राजस्व वसूली प्रभावी ढंग से करने, राजस्व आय बढ़ाने हेतु समुचित कार्यवाही करने, करदाताओं की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्रीमती जैन ने वार्ड क्र. 69 में सम्पत्तियों के उपयोग की श्रेणी परिवर्तित करने के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की और वार्ड की आई.डी. का दुरूपयोग कर आवास की केटेगरी परिवर्तित कर ई.डब्ल्यू.एस आवास के स्थान पर 150 बिस्तरों का अस्पताल दर्शाकर टैक्स बढ़ाने वाले कम्प्यूटर ऑपरेटर की सेवाएं तत्काल समाप्त करने तथा तत्कालीन वार्ड प्रभारी को निलंबित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्रीमती जैन ने सभी 21 जोनल अधिकारियों एवं उनके अंतर्गत आने वाले वार्ड प्रभारियों को सख्ती से हिदायत दी कि भविष्य में इस प्रकार की पुनर्रावृत्ति न हो अन्यथा इस प्रकार का कृत्य करने वाले के विरूद्ध सेवा समाप्ति की कार्यवाही की जाएगी।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088